संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-15 ◆अंक-174 ◆ रायपुर, मंगलवार 26 नवंबर 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

आज का पंचांग

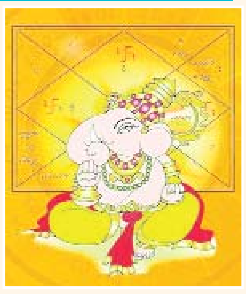

तिथि : एकादशी
नक्षत्र: हस्त
प्रथम : करण
द्वितीय : करण
पक्ष : कृष्ण
वार : मंगलवार
योग : प्रीति
सूर्योदय : 06:56
सूर्यास्त : 17:19
चंद्रमा : कन्या
राहुकाल : 14:43 - 16:01
विक्रमी संवत् : 2081
शक संवत : 1946
मास : मार्गशीर्ष
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:47 - 12:28

विष्णुदेव साय ने की रायपुर से बिलासपुर ट्रेन यात्रा

मुख्यमंत्री की सरलता और आत्मीयतापूर्ण वार्तालाप ने रेलयात्रियों का जीता दिल

रायपुर (दैनंदिनी)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की रायपुर से बिलासपुर ट्रेन यात्रा के दौरान उनकी सहजता एवं सरलता ने यात्रियों का दिल जीत लिया। उन्होंने यात्रियों से आत्मीय चर्चा के दौरान कहा कि मेरी यात्रा का उद्देश्य यही है कि मैं आमजन के मन में क्या है, उनकी सरकार से इच्छा और अपेक्षाएं क्या है,यह जान सकूं। हमारी सरकार के काम को लेकर लोग क्या सोचते हैं, इसको जानने का यह यात्रा मुझे अच्छा अवसर देगी, इसीलिए मैंने बिलासपुर जाने के लिए ट्रेन का सफर चुना। बातचीत के दौरान उन्होंने यात्रियों से कुशलक्षेम पूछते हुए सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़ी चर्चाएं भी की। मुख्यमंत्री ने 65 वर्षीय रेखा पाली से बातचीत के दौरान उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और सरकार द्वारा आयुष्मान कार्ड के माध्यम से नि:शुल्क इलाज की सुविधा का जिक्र भी किया। इस खास मौके पर रेखा ने मुख्यमंत्री को श्रीमद्भगवद्गीता की प्रति भेंट की। मुख्यमंत्री ने भिलाई से जबलपुर की यात्रा कर रहीं यात्री 45 वर्षीय शिखा से भी बात की। उन्होंने महतारी वंदन योजना से जुड़ी जानकारी उनके साथ साझा की। मुख्यमंत्री की इस यात्रा का सबसे रोचक संवाद 4 वर्षीय समायरा के साथ हुआ। मुख्यमंत्री ने समायरा को चॉकलेट दिया और उससे ढेर सारी बातें की। उन्होंने समायरा के आग्रह पर ऑटोग्राफ दिया। मुख्यमंत्री ने समायरा को ढेर सारा आशीर्वाद दिया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री के साथ इस यात्रा में शामिल यात्रियों ने कहा कि हमारी यह यात्रा यादगार बन गई है।

विधानसभा के नव-निर्वाचित सदस्य सुनील सोनी ने कार्यभार संभाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य की षष्ठम विधान सभा के रायपुर दक्षिण विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव में विजयी हुए नव-निर्वाचित सदस्य सुनील कुमार सोनी ने विधान सभा में अपनी औपचारिक कार्यवाही पूरी की। उन्होंने विधानसभा भवन में उपस्थित होकर सभी आवश्यक प्रपत्रों को भरा और विभिन्न शाखाओं के कार्यों के साथ-साथ सदस्यों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। सुनील कुमार सोनी ने निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त निर्वाचन प्रमाण-पत्र भी विधानसभा में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर, विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा ने नव-निर्वाचित सदस्य का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। सुनील कुमार सोनी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों को प्राथमिकता देंगे।

साथ ही, उन्होंने विधानसभा के नियमों और प्रक्रियाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह उपचुनाव रायपुर दक्षिण क्षेत्र में निर्वाचन के बाद आयोजित हुआ था, जिसमें मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सुनील कुमार सोनी को अपना प्रतिनिधि चुना।

नाना पटोले ने महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी की हार के बाद नाना पटोले ने महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी आलाकमान ने अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। पटोले का यह इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अबतक का सबसे खराब प्रदर्शन किया है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ एनडीए ने कांग्रेस पार्टी और महाविकास अघाड़ी को चुनाव में करारी शिकस्त दी है। कांग्रेस पार्टी ने राज्य में 103 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे सिर्फ 16 सीटें मिली। साकोली सीट से पार्टी के उम्मीदवार नाना पटोले ने सबसे कम अंतर से 208 वोटों से जीत दर्ज की। साकोली में उनकी जीत इस साल सबसे कम अंतर से जीती गई सीटों में शीर्ष तीन में शुमार है। यह नतीजे 2019 विधानसभा चुनावों के बिल्कुल उलट हैं, जब नाना पटोले ने साकोली में लगभग 8,000 वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की थी।

ज्यादा से ज्यादा लोग चर्चा में अपना योगदान दें : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मीडिया को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि शीतकालीन सत्र में माहौल शीत रहेगा। पीएम मोदी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, शीतकालीन सत्र है और माहौल भी शीत ही रहेगा। 2024 का ये अंतिम कालखंड चल रहा है, देश उमंग और उत्साह के साथ 2025 के स्वागत की तैयारी में भी लगा हुआ है। उन्होंने आगे कहा, संसद का ये सत्र अनेक प्रकार से विशेष है। सबसे बड़ी बात है कि हमारे संविधान की यात्रा का 75वें साल में प्रवेश अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही उज्जवल अवसर है। कल संविधान सदन में सब मिलकर संविधान के 75वें वर्ष के उत्सव की शुरुआत करेंगे। संविधान निर्माताओं ने संविधान का निर्माण करते समय एक एक बिंदु पर बहुत विस्तार से बहस की है और तब जाकर ऐसा उत्तम दस्तावेज हमें प्राप्त हुआ है। हमारे संविधान की महत्वपूर्ण इकाई- संसद और हमारे सांसद हैं। पार्लियामेंट में स्वस्थ चर्चा हो, ज्यादा से ज्यादा लोग चर्चा में अपना योगदान दें। पीएम मोदी ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संसद को भी मुट्ठी भर लोगों की हुड़दंगबाजी से कंट्रोल करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं।

उनका अपना मकसद तो सफल नहीं होता, लेकिन देश की जनता उनके सारे व्यवहार देखती है और जब समय आता है तो उन्हें सजा भी देती है, लेकिन सबसे पीड़ादायक बात यह है कि नए सांसद नए विचार, नई ऊर्जा लेकर आते हैं और वे किसी एक पार्टी के नहीं, बल्कि सभी पार्टियों के होते हैं। कुछ लोग उनके अधिकारों का हनन करते हैं और उन्हें सदन में बोलने का मौका भी नहीं मिलता है। उन्होंने आगे कहा, जिन्हें जनता ने लगातार 80-90 बार नकार दिया है, वे संसद में चर्चा नहीं होने देते। वह ना तो लोकतंत्र की भावना का सम्मान करते हैं और ना ही वह लोगों की आकांक्षाओं के महत्व को समझते हैं। लोगों के प्रति उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है, वे जनता को समझ नहीं पाते हैं और इसका परिणाम यह होता है कि वे कभी भी लोगों की उम्मीदों पर भी खरे नहीं उतर पाते।

हंगामा, लोकसभा की कार्यवाही 27 तक स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार 25 नवंबर से शुरू हो गया। हालांकि हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही 27 नवंबर 11 बजे दिन तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके पहले सोमवार 11 बजे संसद के शीतकालीन सत्र का शुभारंभ किया गया।

सबसे पहले दिवंगत सांसदों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद संसद की कार्यवाही शुरू की गई। लेकिन लोकसभा में मणिपुर समेत दूसरे मुद्दों को लेकर विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों से शांत रहने और कार्यवाही को सुगम तरीके से चलने देने में सहयोग देने की अपील की।

विष्णु कैबिनेट की बैठक 26 को

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 26 नवंबर को दोपहर 12 बजे राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर में आयोजित की गई है। इस बैठक में कई अहम् मुद्दों पर चर्चा होगी और कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। वहीं विधानसभा का शीतकालीन सत्र भी शुरू होने वाला है। बैठक में सत्र पर भी चर्चा के आसार हैं।

नाना पटोले ने महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी की हार के बाद नाना पटोले ने महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी आलाकमान ने अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। पटोले का यह इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अबतक का सबसे खराब प्रदर्शन किया है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ एनडीए ने कांग्रेस पार्टी और महाविकास अघाड़ी को चुनाव में करारी शिकस्त दी है। कांग्रेस पार्टी ने राज्य में 103 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे सिर्फ 16 सीटें मिली। साकोली सीट से पार्टी के उम्मीदवार नाना पटोले ने सबसे कम अंतर से 208 वोटों से जीत दर्ज की। साकोली में उनकी जीत इस साल सबसे कम अंतर से जीती गई सीटों में शीर्ष तीन में शुमार है। यह नतीजे 2019 विधानसभा चुनावों के बिल्कुल उलट हैं, जब नाना पटोले ने साकोली में लगभग 8,000 वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की थी। इस साल के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता चुनाव हार गए हैं। बालासाहेब थोराट, पृथ्वीराज चव्हाण, विजय वडेट्टीवार, यशोमति ठाकुर, माणिकराव ठाकरे जैसे दिग्गज नेताओं को हार का सामना करना पड़ा है। 2021 में महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने वाले पटोले अपने नेतृत्व को लेकर मुखर रहे हैं। चुनाव परिणाम घोषित होने से दो दिन पहले पटोले ने यह दावा करके विवाद खड़ा कर दिया था कि कांग्रेस अगली महाविकास अघाड़ी सरकार का नेतृत्व करेगी।

प्रदेश के 13वें डीजीपी बने दीपम सेठ, गृह विभाग ने जारी किए आदेश

देहरादून। दीपम सेठ उत्तराखंड के 13वें डीजीपी बन गए हैं। गृह विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। एडीजी दीपम सेठ ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटकर सोमवार को मूल कैडर ज्वाइन किया। ज्वाइन करते ही उन्हें पुलिस के 13वें मुखिया की जिम्मेदारी भी दी गई। दीपम सेठ 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। और वर्ष 2019 से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे। अभी उनकी प्रतिनियुक्ति अवधि पूरी नहीं हुई थी कि शासन ने उन्हें वापस बुलाने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा था।

भारत ने हमेशा एकता और अखंडता के गहरे सत्य को किया है स्वीकार : मोहन भागवत

हैदराबाद (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि जहां दुनिया अपनी मंजिल पर विचार किए बिना आगे बढ़ रही है, वहीं भारत ने हमेशा एकता और अखंडता के गहरे सत्य पर विचार किया है। 'लोकमंथन भाग्यनगर 2024' में बोलते हुए, आरएसएस प्रमुख ने भारत की 'धर्म' और जीवन के निर्माण की शाश्वत अवधारणाओं पर अपने विचार रखे। भागवत ने कार्यक्रम में कहा, हमारे पूर्वज अस्तित्व की एकता की सच्चाई जानते थे, वे समझते थे कि यही सब कुछ है इसलिए विविधता है। यह कुछ समय तक चलती है, फिर केवल एकता रह जाती है। एकता शाश्वत है और विविधता में भी एकता है, अगर हम इसे तलाशने की कोशिश करें। उन्होंने कहा, उन लोगों को जवाब देने की कोई आवश्यकता नहीं है जिनके प्रयोग पिछले 2,000 वर्षों में विफल रहे हैं। हमारा ध्यान अपने लोगों का मार्गदर्शन करने पर होना चाहिए, जो झूठे आख्यानों में उलझे हुए हैं। वैश्विक मंच पर हम अपने पूर्व निर्धारित मापदंडों और अपने अनूठे तरीके से खेलेंगे। आरएसएस प्रमुख ने लोकमंथन पहल को ग्रामीण भारत तक ले जाने का आह्वान किया तथा गांवों में छोटी-छोटी सभाएं आयोजित कर जमीनी स्तर के लोगों को जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा, हमारे मन की आवाज़ कहती है कि इस दुनिया में हम किसी के दुश्मन नहीं हैं और कोई हमारा दुश्मन नहीं है। हालांकि यह ठीक है कि कोई आक्रामक है, अगर कोई हम पर हमला करता है या हमें नुकसान पहुंचाता है, तो हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे, लेकिन हम उसका जवाब भी देंगे...लेकिन हम किसी से लड़ाई नहीं करते हैं।

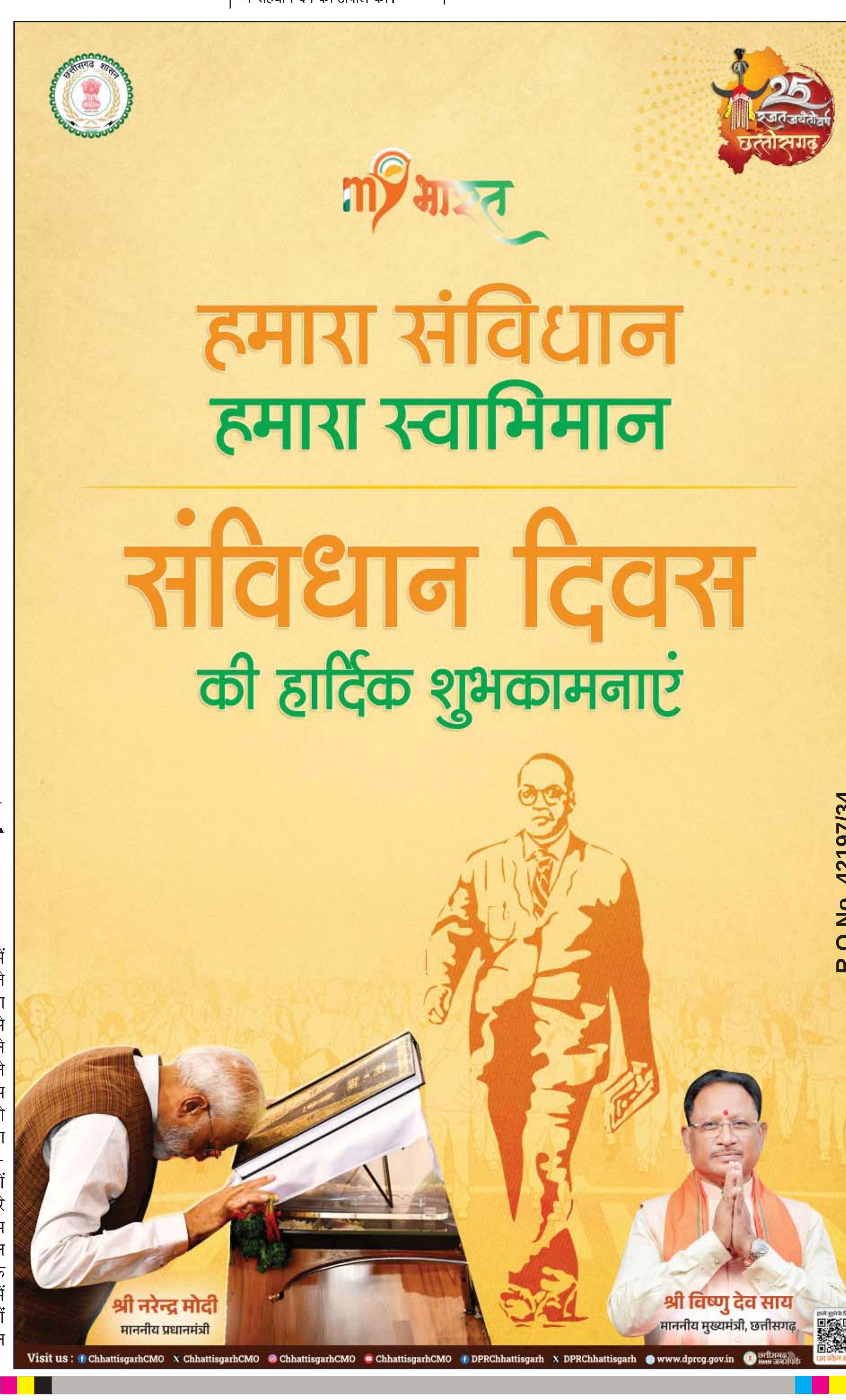

भूल भुलैया 3 से ज्यादा नोट छाप रही अमरण

मुंबई : यह साल विदा लेने वाला है। जाते साल में कई दिलचस्प फिल्में रिलीज होने वाली हैं। कुछ रिलीज हो चुकी हैं और सिनेमाघरों में लगी हैं। दर्शकों तक पहुंचने से पहले ठीक-ठाक माहौल बनाने वाली फिल्में बॉक्स ऑफिस की कसौटी पर कितना खरी उतर पाती हैं यह देखने वाली बात होती है। फिलहाल बॉलीवुड से लेकर साउथ तक की कई सारी फिल्में लगी हैं।

भूल भुलैया 3 का जलवा कायम, सिंघम 3 फेल

इस महीने दिवाली के अवसर पर 1 नवंबर को रिलीज हुईं फिल्में भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन भी सिनेमाघरों में लगी हैं। रिलीज के 24वें दिन तक भी भूल भुलैया अच्छी कमाई कर रही है। करीब 150 करोड़ रुपये के बजट में बनी कार्तिक की फिल्म ने कल रविवार को 24वें दिन 3.40 करोड़ रुपये कमाए, फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 247.10 करोड़ रुपये हो गया है। बात करें सिंघम 3 की तो इसकी हालत खस्ता ही है। 350 रुपये की लागत से बनी फिल्म ने कल 24वे दिन 1.90 करोड़ रुपये की कमाई की, फिल्म का कुल कलेक्शन 240.35 करोड़ रुपये है। महीनाभर पूरा होने को है और यह अभी तक अपनी पूरी लागत भी नहीं निकाल पाई है।

सबसे बढ़कर अमरण का प्रदर्शन

भूल भुलैया 3, सिंघम अगेन और बाकी अन्य फिल्मों से भी बढ़कर दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब हो रही है साउथ फिल्म अमरण। कमल हासन ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है। 31 अक्तूबर को रिलीज हुई फिल्म का बजट भूल भुलैया 3 से भी कम है। इसे करीब 120 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक कल 25वे दिन अमरण ने 4.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जो भूल भुलैया 3 की 24वें दिन की कमाई से भी ज्यादा है।

अल्लू अर्जुन ने फैंस को अपनी सेना बताते हुए जताया आभार

अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म 'पुष्पा 2' को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस बीच रविवार को आयोजित चेन्नई इवेंट में अभिनेता ने कहा कि उनके फैंस का पुष्पा 2 के लिए इंतजार व्यर्थ नहीं जाएगा।

मुंबईः अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' को लेकर दर्शकों के बीच जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है। फिल्म के निर्माता भी इसके प्रमोशन में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस क्रम में पटना के बाद चेन्नई में बीते रविवार को एक ग्रैंड इवेंट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में अभिनेता के फैंस मौजूद थे। इस बीच अल्लू अर्जुन ने भी अपने फैंस के लिए प्यार जताते हुए उन्हें अपनी सेना बताया और कहा कि वो उनसे बहुत प्यार करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि फिल्म का इंतजार काफी सार्थक रहेगा।

मैं सभी के दिलों में आग जला दूंगा- अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन और सुकुमार की सबसे बहुप्रतीक्षित अखिल भारतीय एक्शन ड्रामा पुष्पा 2: द रूल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का वाइल्डफायर प्री-रिलीज़ इवें चेन्नई में हुआ, जहां हजारों की संख्या में फैंस शामिल हुए थे। अल्लू अर्जुन ने अपने फैंस के प्रति आभार जताते हुए कहा, 'मेरे फैंस मेरी सेना हैं। मैं अपने फैंस से बेहद प्यार करता हूं। वे पुष्पा 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मैं वादा करता हूं कि उनका इंतजार बेकार नहीं जाएगा। मैं 5 दिसंबर को आप सभी के दिलों में आग जला दूंगा।'

चेन्नई को बताया घर जैसा

इस कार्यक्रम के दौरान अभिनेता ने अपने फैंस और चेन्नई को भी श्रद्धांजलि देते हुए उनका शुक्रिया अदा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि चेन्नई उनके लिए अपने घर जैसा है, जहां उन्होंने अपने जीवन के 20 वर्ष बिताए हैं। पुष्पा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता ने कहा, 'इस भूमि के साथ मेरा एक विशेष बंधन है। चेन्नई आना हमेशा एक अलग एहसास होता है। मैं जीवन में जो कुछ भी हासिल करता हूँ, उसे चेन्नई को समर्पित करता हूं।'

निर्माताओं समेत पूरी टीम का किया धन्यवाद

इस कार्यक्रम में अल्लू अर्जुन ने 'पुष्पा 2' के निर्माताओं का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि कोई भी अन्य प्रोडक्शन हाउस पुष्पा 2 को उस तरह से नहीं बना सकता था, जैसा कि माइथ्री मूवी मेकर्स ने बनाया है। अगर वे नहीं होते, तो पुष्पा नहीं होती। इस दौरान उन्होंने संगीतकार डीएसपी, रश्मिका मंदाना, श्रीलीला और अंत में सुकुमार सहित अपनी पूरी फिल्म की टीम की प्रशंसा की। अभिनेता ने कहा कि सुकुमार ने उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी है और उन्होंने निर्देशक को ईमानदार फिल्म निर्माता बताया।

तेलुगु फिल्म 'कनप्पा' में नजर आएंगे अक्षय कुमार, रिलीज डेट से उठ गया पर्दा

अक्षय कुमार की तेलुगु फिल्म 'कनप्पा' की रिलीज डेट सामने आ गई। फिल्म अगले साल बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होगी।

मुंबईः अक्षय कुमार तेलुगु फिल्म में कैमियो करने जा रहे हैं। फिल्म कनप्पा के पहले पोस्टर और रिलीज डेट से पर्दा उठ गया है। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अगले साल दस्तक देगी।

शिव के किरदार में नजर आए अक्षय कुमार

अक्षय कुमार की फिल्म 'कनप्पा' की पहली झलक सामने आ गई है। लगभग पांच महीने पहले भी इस फिल्म के टीजर में अक्षय कुमार की झलक नजर आई थी। जिसे देखकर लगा कि वह फिल्म कनप्पा में भगवान शिव की भूमिका निभाएंगे। फिल्म की पहली झलक के साथ ही अक्षय कुमार ने इसकी रिलीज डेट का खुलासा किया है।

पांच भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

विष्णु मांचू के ड्रीम प्रोजेक्ट 'कनप्पा' का शानदार टीजर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म का टीजर कुल पांच भाषाओं में रिलीज किया गया है। फिल्म में प्रभास, अक्षय कुमार, काजल अग्रवाल, मोहनलाल ने अलावा कई अभिनेताओं ने अहम भूमिका निभाई हैं। फिल्म के टीजर में साउथ के अलावा बॉलीवुड के भी कई सितारे नजर आए। फिल्म का टीजर कुल पांच भाषाओं में जारी किया गया है, जिसमें तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषा शामिल हैं। इस महाकाव्य की कहानी को अब दुनिया भर के दर्शक पांच भाषाओं में देख सकेंगे।

फिल्म में है शिव भक्त की कहानी

फिल्म 'कनप्पा' की कहानी भगवान शिव के एक भक्त कनप्पा की है। वह शिव की भक्ति में अपनी आंखें फोड़ देता है। इस तरह की कहानियां दर्शकों को काफी पसंद आती है। वैसे भी जब इस फिल्म का ट्रेलर आया था तो दर्शकों ने इसे भी काफी सराहा था।

अभिनेता विष्णु मांचू ने कनप्पा के किरदार को निभाने के लिए काफी मेहनत की है उन्होंने अपनी फिटनेस पर भी काफी काम किया है। इस फिल्म में कई और बड़े कलाकार भी हैं जो इसमें अपने अभिनय से चार चांद लगा देंगे। अक्षय भी इस फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं। इस फिल्म का निर्देशन मुकेश कुमार सिंह ने किया है और इसका निर्माण मोहन बाबू ने किया है।

फिल्म 'कंतारा' की स्टारकास्ट से भरी बस पलटी, छह जूनियर कलाकार जखमी, अस्पताल में भर्ती

ऋषभ शेट्टी अभिनीत फिल्म 'कंतारा' का प्रीक्वल आ रहा है। इसकी तैयारियां चल रही हैं। फिलहाल इस फिल्म से जुड़ी बुरी खबर आई है। फिल्म की स्टारकास्ट से भरी बस पलट गई। छह जूनियर कलाकारों के जखमी होने की जानकारी है।

मुंबई : फिल्म 'कंताराः चैप्टर 1' को लेकर बुरी खबर आ रही है। फिल्म के सितारों से भरी मिनी बस पलट गई है। इसमें फिल्म के 20 कलाकार सवार थे, इनमें से छह जूनियर कलाकार जखमी हो गए हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक पुलिस ने सोमवार को बताया कि कन्नड़ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कंतारा' के प्रीक्वल के छह जूनियर कलाकार हादसे में घायल हुए हैं। वे उसी बस में यात्रा कर रहे थे, जो पलटी है।

रविवार रात हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार, यह हादसा रविवार रात जड़काल के समीप हुआ। फिल्म की टीम जिस मिनी बस में सवार होकर जा रही थी, वह अचानक पलट गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'यह घटना उस समय हुई जब वे जड़काल के मुदूर में शूटिंग पूरी करने के बाद कोल्लूर लौट रहे थे। मिनी बस में 20 जूनियर कलाकार सवार थे। हादसे में छह जूनियर कलाकार गंभीर रूप से जखमी हुए हैं। हादसे में घायल कलाकारों को इलाज के लिए तत्का जड़काल और कुंदापुर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कोल्लूर पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। ऋषभ शेट्टी ने हाल ही में 'कंताराः चैप्टर 1' की रिलीज डेट का एलान किया था। यह फिल्म 2 अक्तूबर, 2025 को रिलीज होने वाली है। ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कंतारा' साल 2022 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। फिल्म के हिट होने के बाद ही ऋषभ ने इसके अगले भाग की घोषणा की, जो वास्तव में इस फिल्म का प्रीक्वल होगा।

'बेबी जॉन' का गाना 'नैन मटक्का' हुआ रिलीज, वरुण-कीर्ति की केमिस्ट्री के फैंस हुए दीवाने

आगामी फिल्म 'बेबी जॉन' से वरुण धवन और कीर्ति सुरेश का पहला गाना नैन मटक्का रिलीज हो गया है, जिसे काफी ज्यादा पसंद भी किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस इस गाने को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं।

मुंबई : वरुण धवन और कीर्ति सुरेश की आगामी फिल्म 'बेबी जॉन' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अब इस फिल्म को लेकर फैंस का उत्साह और भी ज्यादा बढ़ने वाला है। निर्माताओं ने फिल्म के पहले गाने नैन मटक्का को रिलीज कर दिया है। ये गाना न्यू ईयर को लेकर शुरु होने वाले पार्टी सीजन के लिए परफेक्ट विकल्प है। वरुण धवन और कीर्ति सुरेश के सिजलिंग डांस मूव्स ने फैंस को झूमने पर मजबूर कर दिया है। दिलजीत दोसांझ और दीक्षिता वेंकडेसन का यह गाना इस सीजन के लिए बिलकुल सटीक लगता है।

नैन मटक्का में दिखी वरुण-कीर्ति की शानदार केमिस्ट्री

इरशाद कामिल द्वारा लिखे और एस. थमन द्वारा कंपोज किए गए गाने ने रिलीज होने के साथ ही सुर्खियां बटोरी हैं। गाने में वरुण और कीर्ति के बीच की केमिस्ट्री काफी कमाल लग रही है। इसके अलावा वीडियो में दिलजीत दोसांझ की मौजूदगी भी फैंस को उत्साहित कर रही है। वरुण धवन ने इस गाने का वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा,'इतना अच्छा वाइब, यह आपको ट्राइब के साथ थिरकने पर मजबूर कर देगा, बेबी। बेबी जॉन का पहला गाना नैन मटक्का अब रिलीज हो गया है। थमन का म्यूजिकल। बेबी जॉन इस क्रिसमस पर सिनेमाघरों में, 25 दिसंबर 2024 को आ रही है।'

थमन की पहली सोलो हिंदी फिल्म है 'बेबी जॉन'

रिलीज होते ही फैंस को ये गाना काफी ज्यादा पसंद आया है। फैंस इस गाने को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'वाकई धमाकेदार गाना है।' वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, वरुण, कीर्ति, थमन, दिलजीत एक साथ मतलब ब्लॉकबस्टर। बताते चलें कि थमन द्वारा रचित बेबी जॉन का साउंड ट्रैक उनका पहला सोलो हिंदी फिल्म काम है। इस महीने की शुरुआत में निर्माताओं द्वारा बेबी जॉन का टीजर जारी किया गया था, जिसे काफी साकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।

25 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

एटली और सिने1 स्टूडियो के सहयोग से जियो स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत, 'बेबी जॉन' का निर्माण मुराद खेतानी, प्रिया एटली और ज्योति देशपांडे ने किया है। ए फॉर एप्पल स्टूडियो और सिने1 स्टूडियो के बैनर तले उन्होंने फिल्म का निर्माण किया है, जो इस साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी। फिल्म इस साल 25 दिसंबर 2024 को रिलीज होने वाली है। फिल्म में वरुण धवन और कीर्ति सुरेश के अलावा जैकी श्रॉफ, वामिक गब्बी आदि कलाकार भी नजर आएंगे।

आयुष्मान ने अरिजीत को दिया लाइव गाने का श्रेय

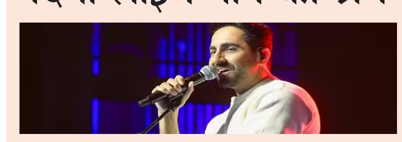

मुंबई : आयुष्मान खुराना ने हाल ही में अमेरिका के पांच शहरों में अपना म्यूजिक टूर पूरा किया है। शिकागो, न्यूयॉर्क, सैन जोस, न्यू जर्सी और डलास में उन्होंने अपने फैंस के सामने बेहतरीन गाने गाए। वह पहले भी अपनी फिल्मों में गाने गा चुके हैं, लेकिन लाइव गाने की बात अलग होती है। इस काम के लिए उन्हें हिम्मत और अपना म्यूजिक बैंड की प्रेरणा सिंगर अरिजीत सिंह से मिली। इस बारे में हाल ही में आयुष्मान ने बताया।

अरिजीत ने लाइव गाने को कहा

आयुष्मान कहते हैं, 'मैं हमेशा सोचता था कि एक अभिनेता के तौर पर अच्छा काम कर रहा हूं। मैं फिल्मों में गा सकता हूं, लेकिन हजारों लोगों के सामने मंच पर गाने के बारे में कभी नहीं सोचा था। मेरी पहली लाइव सिंगिंग परफॉर्मेंस का सारा श्रेय सिंगर अरिजीत सिंह को जाता है। फिल्म 'विक्की डोनर' की सफलता और बेस्ट सिंगर के लिए फिल्मफेयर जीतने के बाद अरिजीत सिंह ने मुझे 2013 में अपने पास बुलाया। डलास के दिवाली मेले में उनकी परफॉर्मेंस होने वाली थी, लेकिन किसी वजह से वह नहीं जा पाए, उनका बैंड डलास पहुंच गया था। तब उन्होंने मुझसे वहां परफॉर्म करने की रिक्वेस्ट की। मैंने उन्हें बताया कि हमेशा अपने लिए या किसी पार्टी में अपने दोस्तों के लिए गाता हूं।

विविध

गुड़ सौंफ मेपल सिरप के साथ मालपुआ पैनकेक रेसिपी

नई दिल्ली : गुड़ सौंफ़ मेपल सिरप के साथ मालपुआ पैनकेक एक मुंह में पानी लाने वाली फ्यूजन रेसिपी है जिसे आप अपने प्रियजनों के लिए खास मौकों और त्योहारों पर उनके स्वाद को खुश करने के लिए बना सकते हैं। यह एक आसानी से बनने वाली मिठाई रेसिपी है जो एक अनोखा स्वाद देती है क्योंकि इसमें वेनिला आइसक्रीम के साथ गुड़, सौंफ़ और मेपल सिरप का फ्लेवर होता है। यह स्वादिष्ट मिठाई रेसिपी अमेरिकी और भारतीय सामग्री का मिश्रण है और किटी पार्टी, पॉट लक और यहां तक कि सालगिरह जैसे अवसरों के लिए एक उपयुक्त डिश हो सकती है। अगर आप उन लोगों में से हैं जिन्हें खाने के साथ प्रयोग करना पसंद है तो आपको यह मिठाई रेसिपी ज़रूर आज़मानी चाहिए और आप इस मीठी डिश को तीन-कोर्स के भोजन में आसानी से परोस सकते हैं।

1 1/2 कप मैदा, 1 चम्मच नमक, 1 1/4 कप दूध, 3 बड़ा चम्मच मक्खन, 1 छोटा चम्मच बादाम, 2 बड़ा चम्मच पानी, 3 1/2 छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर, 1 बड़ा चम्मच चीनी, 1 फेंटा हुआ अंडा, 1 छोटा चम्मच केसर, 3 स्कूप वेनिला आइसक्रीम, आवश्यकतानुसार रिफाइंड तेल

चरण 1

एक बड़ा कटोरा लें और उसमें मैदा, बेकिंग पाउडर, नमक और चीनी को एक साथ छान लें। इस मिश्रण के बीच में एक गड्ढा बनाएं और उसमें दूध, फेंटा हुआ अंडा, पिघला

हुआ मक्खन और केसर का पानी डालें। तब तक मिलाएँ जब तक मिश्रण चिकना न हो जाए और एक महीन घोल तैयार न हो जाए। (नोटः केसर का पानी बनाने के लिए, केसर को 2 बड़े चम्मच पानी में 15-20 मिनट के लिए भिगोएँ।)

चरण 2

इसके बाद, मध्यम आँच पर एक फ्राइंग पैन रखें और उसमें थोड़ा तेल गर्म करें। फ्राइंग पैन पर एक स्कूप बैटर डालें और प्रत्येक पैनकेक के लिए लगभग 1/4 कप बैटर का इस्तेमाल करें। पैनकेक को दोनों तरफ से भूरा होने तक तलें। और मालपुआ बनाने के लिए इस प्रक्रिया को दोहराएँ।

चरण 3

फिर, एक कटोरी में गुड़ को कद्दूकस कर लें। इसके बाद, कद्दूकस किए हुए गुड़ के कटोरे में सौंफ के बीज और मेपल सिरप डालें और पैनकेक के लिए गुड़ सौंफ मेपल सिरप तैयार करने के लिए अच्छी तरह मिलाएँ। मालपुआ को एक कच्चे लोहे के पैन में डालें और उन पर गुड़ सौंफ मेपल सिरप डालें। वेनिला आइसक्रीम का एक स्कूप डालें और बादाम के गुच्छे से मिठाई को सजाएँ। तुरंत परोसें!

यह कठोर उपाय आपको गहरी नींद दिलाएगा

नई दिल्ली : नींद की समस्याओं के कई समाधान हैं, लेकिन यह आपको निश्चित रूप से आश्चर्यचकित करेगा। यह किसी विज्ञान-फाई फिल्म की तरह लग सकता है। लेकिन यह आपकी हमेशा की तरह नींद पूरी करने में आपकी मदद करने में कारगर है। नींद की समस्या से निपटने के लिए आपको और भी कठोर उपाय करने की आवश्यकता है। मॉन्ट्रियल विश्वविद्यालय और पोइटियर्स विश्वविद्यालय के एक अध्ययन से पता चला है कि -130 डिग्री फ़ारेनहाइट या -90 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर बर्फीले कक्ष में 5 मिनट तक रहना अच्छी गुणवत्ता और गहरी नींद पाने का रहस्य है। इसलिए इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि तकिये को ठंडा करके रखने से रात में करवटें बदलने में आसानी होती है, जिससे आप तुरंत सो जाते हैं। आज रात बेहतर नींद कैसे लें, इस पर विशेषज्ञ की सलाह प्रयोग के बारे में अधिक जानकारी शोध के लिए, प्रतिभागियों ने बर्फीले कक्षों में शून्य से नीचे के तापमान पर समय बिताते हुए अंडरवियर, क्रॉक्स और मिट्टेंस के अलावा कुछ नहीं पहना था। अध्ययन प्रतिभागियों के लिए क्रायोस्टिम्यूलेशन सत्र लगातार पाँच दिनों तक आयोजित किए गए थे। प्रभाव आश्चर्यजनक थे, और नींद के व्यवहार में लिंग अंतर का पता चला। स्लीप टूरिज्म यात्रा करते समय रिचार्ज करने का नया तरीका ठंडे तापमान महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक तेज़ी से सोने और गहरी नींद लेने में मदद करते हैं। परिणामों से पता चला कि शरीर को ठंडा करना आरामदायक और गहरी नींद

पाने की कुंजी हो सकती है। महिलाएं इस पर अधिक प्रतिक्रिया करती हैं, जो पुरुषों की तुलना में स्पष्ट लाभ दर्शाता है। नींद अधिक आरामदेह और कायाकल्प करने वाली हो जाती है। धीमी-तरंग नींद गहरी नींद का चरण है। यह सबसे आवश्यक नींद का चरण है। क्रायोस्टिम्यूलेशन सत्रों ने इस गहरी नींद की अवधि भी बढ़ा दी। मुख्य लेखक ओलिवियर डुप्यू ने कहा, 'धीमी-तरंग नींद, जिसे नींद का सबसे अधिक आरामदेह चरण माना जाता है, पहले दो नींद चक्रों [क्रायोथेरेपी के बाद] के दौरान औसतन 7.3 मिनट बढ़ गई।'

यह कई नींद विकारों के लिए नए उपचार की संभावनाओं को खोलता है। तो, अगली बार जब नींद 'बच्चा' हो तो ठंड को गले लगाने पर विचार करें, चाहे एक परत उतारकर, कंबल के नीचे से पैर बाहर निकालकर, या फिर एक अच्छा स्नान करके।

सर्दियों में इम्यूनिटी बढ़ाएगा चुकंदर और गाजर का जूस

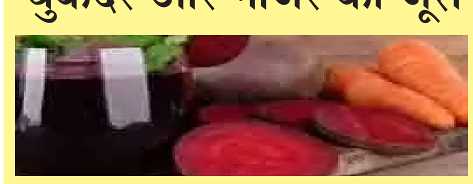

नई दिल्ली : सर्दियों में इस जूस को पीने से खून भी साफ होता है। आपकी बॉडी से टॉक्सिन्स भी बाहर निकलते हैं और हेयर फॉल के साथ-साथ यह हेल्थ को भी बेहतर करता है।अगर आप अपनी हेल्थ को बेहतर करने के टिप्स ढूंढ रहे हैं, तो आपको इस जूस को अपने डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए। सबसे बढ़िया बात यह है कि आप इसे 5-10 मिनट में इसे तैयार कर सकते हैं। किन सामग्रियों से मिलकर इस जूस को बनाना है, आइए आपको बताएं।अगर आप अपनी हेल्थ को बेहतर करने के टिप्स ढूंढ रहे हैं, तो आपको इस जूस को अपने डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए। सबसे बढ़िया बात यह है कि आप इसे 5-10 मिनट में इसे तैयार कर सकते हैं। किन सामग्रियों से मिलकर इस जूस को बनाना है, आइए आपको बताएं।

सामग्री

2-3 बीटरूट
3-4 आंवला
1.5 इंच अदरक का टुकड़ा
2-3 मीडियम साइज गाजर
1 कप पाइनएप्पल
1 गिलास गुनगुना पानी
नमक और काली मिर्च पाउडर स्वादानुसार
1 छोटा चम्मच नींबू का रस

विधि

सब्जियों को छीलकर मीडियम साइज टुकड़ों में रखें। एक ब्लेंडर में सारी सब्जियों और गुनगुना पानी डालकर ब्लेंड करें। इसे छानकर गिलास में निकालें और नमक, काली मिर्च और नींबू का रस डालकर इसका आनंद लें।

डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान है करेले का जूस

नई दिल्लीः भले ही करेला स्वाद में कड़वा हो मगर क्या आप जानते है कि यह डायबिटीज के मरीजो के लिए बेहद ही फायदेमंद है। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के साथ अपने खास गुणों से कई तरह के लाभ देता है। करेले का जूस पीने से होने वाले फायदों को जानने के लिए न्यूज़ एजेंसी ने न्यूट्रिशनिस्ट अंशी राज महाजन से बात की। न्यूट्रिशनिस्ट ने कहा, ''करेले के जूस में इंसुलिन जैसे गुण होते हैं जो डायबिटीज के मरीजों का शुगर लेवल कंट्रोल करने में मदद करते है। करेले में मौजूद कई तरह के कंपाउंड्स मरीज में इंसुलिन की तरह काम करते हैं। जो शुगर को कम करने के साथ मरीज को सेहतमंद बनाए रखते हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ''केरेले में मौजूद पोषक तत्व मरीज को कई तरह के लाभ तो देते ही हैं, साथ में यह भूख को भी कम करने का काम करता है, जो मरीज को बार-बार होने वाली क्रेविंग में काफी हद तक मदद करता है। यह टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों पर बेहतर तरीके से काम करता है।''

न्यूट्रिशनिस्ट ने एक शोध का हवाला देते हुए कहा कि करेला ब्लड शुगर को तो कंट्रोल कर सकता है। मगर उसकी दवा की जगह नहीं ले सकता। इसमें मौजूद कुछ कंपाउंड्स जैसे पॉलीपेप्टाइड-पी (प्लांट इंसुलिन), ग्लाइकोसाइड, चरैन्टिन, कराविलोसाइड्स और विसीन ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं।

करेला अपने आप में विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होता है। इसमें कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन सी, आयरन, नियासिन (बी3) फोलेट (बी9), थियामिन (बी1),राइबोफ्लेविन (बी2), पोटैशियम, जिंक, फास्फोरस, मैग्नीशियम सही मात्रा में होता है। इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट ने कहा कि करेले के जूस के अलावा आप इसे कई तरीकों से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसे आप सब्जी, जूस, अचार के रूप भी ले सकते हैं। अगर जूस की बात करें तो करेले के जूस के स्वाद को बेहतर बनाने के लिए आप इसे नींबू के साथ मिलाकर भी ले सकते हैं। आप इसमें सेब का जूस और खीरा भी मिला सकते हैं, जिससे इसका कड़वापन थोड़ा कम होने के साथ इसका स्वाद भी बेहतर हो जाएगा।

आगे कहा, ''वैसे तो यह डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद ही फायदेमंद है मगर इसे भी सीमित मात्रा में ही लेना जरूरी है। अगर आप भी इसे शुरू करने जा रहे हैं तो एक बार अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।'

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

मंगलवार 26 नवंबर 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

संक्षिप्त खबरें

मप्र के राज्यपाल मंगूभाई पटेल का दौरा कार्यक्रम

बिलासपुर (दैनंदिनी)। मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल दो दिवसीय दौरे पर 26 नवम्बर को बिलासपुर पहुंच रहे हैं। निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार श्री पटेल 26 नवम्बर को दोपहर 1 बजे भोपाल से हेलीकाप्टर द्वारा रवाना होकर 3 बजे बिलासपुर एयरस्ट्रीप पहुंचेंगे। सर्किट हाऊस में अल्प विश्राम के बाद 3.30 बजे से 5 बजे तक स्थानीय ग्राम का भ्रमण करेंगे। दूसरे दिन वे 27 नवम्बर को अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में साढ़े 10 बजे से 12 बजे तक ट्राईबल मामलों पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के बाद श्री पटेल अपरान्ह 3.30 बजे हेलीकॉप्टर से भोपाल के लिए रवाना हो जाएंगे।

संविधान दिवस : 123 अमृत सरोवर स्थलों पर होगा कार्यक्रम

बिलासपुर (दैनंदिनी)। भारत में संविधान दिवस हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान अंगीकरण की स्मृति में मनाया जाता है। संविधान दिवस हमारे देश के लोकतांत्रिक ढांचे की आधारशिला के रूप में हमारे मूल्यों की याद दिलाता है। इस ऐतिहासिक दिन को स्मरणीय बनाने जिले के 123 अमृत सरोवर स्थलों पर एक विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा। संविधान दिवस पर 26 नवंबर 2024 को सवेरे 11 बजे संविधान की प्रस्तावना का पठन होगा जिसमें संविधान के आदर्शों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराया जाएगा। सभी 123 अमृत सरोवर स्थलों में संविधान दिवस का आयोजन करते हुए संविधान की प्रस्तावना का पठन किया जावेगा।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की धान खरीदी की समीक्षा

बिलासपुर (दैनंदिनी)। कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने आज टीएल बैठक में धान खरीदी सहित शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। उन्हें धान बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने धान खरीदी से जुड़े सभी अधिकारियों को हिदायत दी है कि खरीदी कार्य से जुड़ी हर स्तर की समस्या का तत्काल समाधान किया जाए।

केवल पंजीकृत किसानों से ही उन्हें जारी टोकन के हिसाब से धान खरीदी की जाए। किसानों के नाम पर अपना हित साधने और गड़बड़ी करने वाले अपराधिक तत्वों से सख्ती से निपटा जाए। बैठक में बताया गया कि 22 तारीख तक 2 हजार 559 किसानों द्वारा 1 लाख 24 हजार क्विंटल से अधिक धान की बिक्री की गई है। लगभग 28 करोड 52 लाख रूपए की राशि का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। जिले में 1 लाख 38 हजार 964 किसान पंजीकृत हैं। इस वर्ष 5 हजार 309 किसान अधिक पंजीकृत हुए हैं। कलेक्टर ने

सभी नोडल अधिकारियों को खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण करने कहा। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को केसीसी कार्ड के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने पूरी संवेदनशीलता के साथ लोगों की समस्याओं का निराकरण करने कहा। एनएचएम के रिक्त पदों पर शीघ्र भरती करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्राकृतिक आपदा से हुई मौत के बाद दी जाने वाली आर्थिक सहायता के मामलों को गंभीरता एवं सवंदेनशीलता के साथ निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनदर्शन में लंबित मामलों की भी समीक्षा करते हुए जल्द निपटारा के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, सहायक कलेक्टर श्री तन्मय खन्ना सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

राईस मिलरों ने जमा नहीं कराया कस्टम मिलिंग का चावल

कलेक्टर ने थमाया नोटिस, 30 नवंबर तक जमा करने दी मोहलत

बिलासपुर (दैनंदिनी)। कस्टम मिलिंग योजना के तहत् खरीफविपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान का उठाव जिले के मिलर्स द्वारा किया गया है। उपार्जित धान के अनुसार मिलर्स को नागरिक आपूर्ति निगम में चावल जमा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शासन द्वारा समस्त मिलर्स द्वारा अनुबंध अनुसार शत-प्रतिशत चावल जमा कराये जाने के निर्देश दिये गए हैं। वर्तमान में जिले के 04 मिलर्स द्वारा

चावल जमा किया जाना शेष है। जिले के ऐसे मिलर जिनके द्वारा शत-प्रतिशत चावल जमा नहीं किया गया है, उन्हें कलेक्टर अवनीश शरण द्वारा नोटिस जारी करते हुए दिनांक 30 नवंबर 2024 तक चावल जमा करने के निर्देश दिये गये है। चावल जमा नहीं करने की स्थिति में उनके द्वारा शासकीय धान उठाव हेतु जमा किये गये प्रतिभूति राशि (बैंक गारंटी) के माध्यम से राशि वसूली की कार्यवाही की जावेगी। जिले के ऐसे मिलर्स जिन्हें नोटिस जारी है, उनमें श्याम जी राइस इंडस्ट्रीज मोहतराई, सरदार एग्रो एग्रो इण्डस्ट्रीज, एस. डी. एग्रो फूड प्रोडक्ट, जेठू बाबा इंडस्ट्रीज बहतराई शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने अपने जन्मदिवस पर महामाया देवी का लिया आशीर्वाद

बिलासपुर (दैनंदिनी)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव का जन्म दिवस रतनपुर में भी धूमधाम से मनाया गया। श्री साव ने मंदिर का दर्शन कर मां महामाया देवी का आशीर्वाद लिया। राज्य की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में सफाई मित्रों का पद प्रक्षालन कर सम्मान किया। जन्म दिवस की खुशी में उप मुख्यमंत्री जी को लड्डुओं से तौला गया और सभी का मुंह मीठा कराया गया।प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को मकान की चाबी सौंपी। उन्होंने लगभग 2 करोड़ रुपए के विकास कार्यो की सौगात दी। इसमें 30 लाख रुपए के छह ई रिक्शा भी शामिल हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विभिन सामाजिक संगठनों के अधिकारियों और गणमान्य लोगों ने गुलदस्ता भेंटकर जन्म

दिवस की बधाई दी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व की नगरी के पुराने वैभव को वापस लाने के लिए वचनबद्ध है। पिछले 10 महीने में लगभग 6 करोड़ की राशि से विकास किया गया है। आगे भी पूरी ईमानदारी से काम करेंगे।

31 सौ प्रति क्विंटल के मान से धान खरीदी, किसानों में खुशी

उत्तर बस्तर कांकेर। सरकार द्वारा 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की नीति ने किसानों के जीवन में नई उम्मीदें जगाई हैं। किसानों की मेहनत का सच्चा सम्मान करते हुए, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि उन्हें उनकी उपज का वाजिब दाम मिले। इस फैसले से जिले के धान उपार्जन केंद्रों में हलचल और उत्साह देखा जा रहा है और समर्थन मूल्य पर धान खरीदे जाने पर जिले के किसानों के चेहरे पर खुशी झलक रही है।

कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों पर सुचारु और पारदर्शी तरीके से धान खरीदी हो रही है। विकासखंड कांकेर के ग्राम मरकाटोला के निवासी श्री बसंत कुमार साहू, जिनके पास 5.15 हेक्टेयर कृषि भूमि है, उन्होंने 267.12 क्विंटल धान विक्रय किया। उन्होंने बताया कि 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्राप्त समर्थन मूल्य ने उनकी मेहनत

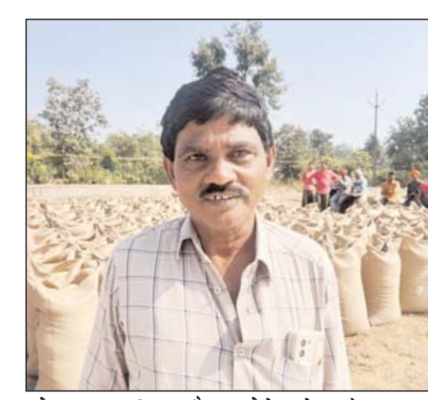

को साकार किया है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सरकार किसानों की हर जरूरत का ध्यान रखती है और उनकी मेहनत का सही मूल्य देने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमारा शौचालय, हमारा सम्मान अभियान, कुथरेल में कार्यक्रम

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा हमारा शौचालय, हमारा सम्मान अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत कुथरेल, जनपद पंचायत दुर्ग में ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत में लगभग सभी 1100 परिवारों के घरों में शौचालय का उपयोग किया जा रहा है, यह ग्राम वर्ष 2015 से पूर्णतः खुले में शौचमुक्त है। ग्रामीणों को ओ.डी.एफ स्थायित्व बनाए रखने के लिये निरंतर ग्राम में अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गांव को ओ.डी.एफ प्लस की श्रेणी में भी लाया गया है। गांव में

ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की समुचित व्यवस्था है, ग्राम में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) से सेग्रीगेशन वर्कशेड का निर्माण किया गया है, जिमसें महिला स्व-सहायता समूह के माध्यम से प्रति सप्ताह घर-घर कचरा एकत्रीकरण का कार्य किया जाता है। घरों में प्राप्त होने वाले ठोस कचरे को सेग्रीगेशन वर्कशेड में लाकर पृथक्कीकरण का कार्य किया जाता है, जिसमें पुनः चक्रय होने वाली वस्तु जैसे प्लास्टिक व अन्य वस्तुओं को कबाड़ी के पास बेचा जाता है, जिससे समूह को आय होती है। ग्राम पंचायत द्वारा प्रतिमाह 05 हजार प्रेम स्वच्छाग्राही स्व-सहायता समूह को मानदेय दिया जा रहा है। समूह में कुल 09 महिलाएं है, जिसमें से प्रति सप्ताह कुल 06 महिलाओं द्वारा कार्य किया जाता है। सेग्रीगेशन वर्कशेड में कचरे को पृथक करने के लिये श्रीमती राजश्री चंद्राकर सरपंच ग्राम पंचायत कुथरेल, जनपद पंचायत दुर्ग के द्वारा अलग-अलग खंड का निर्माण किया गया है, जिसमें कचरे को उसके प्रकार के अनुसार पृथक कर रखा जा सकें। इसी क्रम में ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा 15वें वित्त आयोग की राशि से समस्त 1100 परिवारों के लिये डस्टबीन की व्यवस्था की गई जिससे वे अपने घर से निकलने वाले कचरे को डस्टबीन के माध्यम से घर पर ही एकत्र कर सके। डस्टबीन को ग्रामीणों को वितरण करने के लिये ग्राम स्तरीय मेरा शौचालय मेरा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

बिलासपुर (दैनंदिनी)। कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने आज साप्ताहिक जनदर्शन में दूर-दराज से आये लोगों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर ने सभी की समस्याओं को इत्मीनान से सुना और निराकरण किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन भेजते हुए जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। साप्ताहिक जनदर्शन में सीपत के रलिया गांव के किसानों ने एनटीपीसी सीपत के राखड़ बांध न0 3 से निकलने वाले पानी से खेतों में दलदल होने की शिकायत लेकर कलेक्टर के पास पहुंचे। कलेक्टर ने किसानों की समस्या का समाधान करने आवेदन एसडीएम मस्तूरी हो भेजा।

विकासखण्ड मस्तूरी के ग्राम हिर्री निवासी श्री रामायण साहू ने पटवारी द्वारा धान का रकबा काटने की शिकायत कलेक्टर से की। कलेक्टर ने आवेदन एसडीएम मस्तूरी को भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। ग्राम महमंद में अवैध प्लॉटिंग की शिकायत कलेक्टर से की गई। इस मामले को एसडीएम बिलासपुर देखेंगे। तखतपुर के ग्राम भरारी की श्रीमती कीर्ति ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर शौचालय निर्माण की राशि दिलाने की गुहार लगाई। कलेक्टर ने जिला पंचायत को उनका आवेदन सौंपकर निराकरण करने के निर्देश दिए। बिलासपुर तहसील के महमंद गांव में अवैध निर्माण की शिकायत की गई। बिना लेआउट और लाईसेंस के ठेकेदार द्वारा अवैध प्लॉटिंग किया जा रहा है। कलेक्टर ने एसडीएम को मामले की जांच करने के निर्देश दिए। धान खरीदी के संबंध में रकबा घट जाने की कई किसानों ने शिकायत की। उन्होंने तहसीलदारों को उनका आवेदन भेजकर निराकरण करने के निर्देश दिए।

मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने कलेक्टर के सख्त निर्देश

बीईओ, बीआरसी और संकुल प्रभारी को नोटिस

बिलासपुर (दैनंदिनी)। कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए है। उन्होंने मध्यान्ह भोजन की खराब गुणवत्ता पर सभी बीईओ, बीआरसी, और संकुल प्रभारी को नोटिस दिया है। दो दिन का अल्टीमेटम देते हुए इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है।

कलेक्टर ने कहा है कि समय-समय पर अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता ठीक नहीं पाई गयी है। मेरे द्वारा भी किए गए निरीक्षण में यह बात सामने आई है। जारी नोटिस में कहा गया है कि मध्यान्ह भोजन योजना शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी एवं महत्वपूर्ण योजना है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु संदर्भित पत्र एवं समय-समय पर शिक्षा विभाग के द्वारा प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजनांतर्गत (मध्याह्न भोजन) अंतर्गत निरीक्षण, क्रियान्वयन हेतु पत्र निर्देश जारी किये गये है। आप लोगों के द्वारा ना ही सतत निरीक्षण और ना ही प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है। आपके द्वारा मध्याह्न भोजन योजना के मांनीटरिंग सही ढंग से नही किया जा रहा है। आपका उक्त कृत्य गैर जिम्मेदराना होने के साथ ही साथ छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम के वितरीत है। आपको निर्देशित किया जाता है कि 2 दिवस के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रतिवेदन सहित प्रस्तुत करें कि आपके विकासखंड अथवा विद्यालयों में मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता क्यों ठीक नहीं है। कलेक्टर ने पुनः एक बार निर्देश जारी करते हुए मध्याह्न भोजन के निधार्रित मेन्यू का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिए है इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जारी निर्देशों के अनुसार प्रतिदिन मध्याह्न भोजन बनाने के बाद तथा बच्चों के भोजन करने के पूर्व अनिवार्यता सभी रसोईया, कुकिंग एजेंसी के एक प्रतिनिधि, प्रधान पाठक, शिक्षक द्वारा भोजन चखा जाये। मध्याह्न भोजन योजनांतर्गत शासन द्वारा निर्धारित मीनू का पालन करते हुए विद्यार्थियों की उपस्थिति अनुसार पर्याप्त मात्रा में भोजन तैयार कराया जाये। बच्चों को खाना कतार में आपसी दूरी बनाकर बिठाकर भोजन परोसा जाये। खाने योग्य गरम भोजन ही बच्चों को परोसा जाये। अत्याधिक गरम भोजन का पात्र बच्चों के पास न ले जाये। किचन के भीतर बच्चों को प्रवेश न दिया जाये। किचनशेड विहीन होने की स्थिति में खुले स्थान पर भोजन तैयार करते समय साफ एवं स्वच्छ स्थान का चुनाव कर चारो ओर से घेरा लगाकर भोजन बनाया जावें ताकि किसी प्रकार के जीव-जन्तु आसपास न आवें। योजना से सम्बद्ध किसी भी व्यक्ति या बच्चों को किसी भी प्रकार से दुर्घटना जैसे विषाक्त भोजन सेवन या स्वास्थ्य से संबंधित किसी भी प्रकार की हानि होने की स्थिति तत्काल निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में छात्र-छात्राओं के उपचार कराते हुये प्रधान पाठक अथवा शिक्षकों द्वारा उच्च अधिकारियों को उनके मोबाईल नंबर अथवा दूरभाष नं. पर तत्काल वस्तु स्थिति की सूचना दें। मध्याह्न भोजन का कार्य सम्पन्न होने के पश्चात चूल्हे के आग को पूर्ण रूप से बुझाया जाना है। प्रत्येक शालेय दिवस में उपस्थित समस्त छात्र-छात्राओं को योजना अंतर्गत गरम पका पौष्टिक भोजन दिया जाना है। किसी भी विषम परिस्थिति में मध्याह्न भोजन का संचालन बाधित नहीं होना चाहिये।

धान खरीदी केन्द्रों में व्यवस्था को लेकर अन्नदाता खुश

कोण्डागांव। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले के किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से ही धान खरीदी की जा रही है। जिले के सभी धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों को धान खरीदी के दौरान सभी मूलभूत एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। शासन द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से किसानों के लिए ऑनलाईन टोकन की व्यवस्था की गई है, जिससे किसानों को टोकन कटाने में बहुत सहुलियत हो रही है। साथ ही माइक्रो एटीएम के माध्यम से खरीदी केन्द्र में ही धान बेचने के बाद किसानों को भुगतान की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। किसान सुखधर और कचरू राम ने कहा, धान खरीदी केन्द्रों में भी मिल रही सुविधाओं से वे संतुष्ट है। साथ ही किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी को लेकर भी प्रसन्नता व्यक्त कर रहे हैं। इस बार धान खरीदी में इलेक्ट्रानिक तौल यंत्र का उपयोग किया जा रहा है, जिससे सभी किसान इस

व्यवस्था से खुशी जाहिर कर रहे हैं। जिले के धान खरीदी केन्द्र बम्हनी में धान बेचने पहुंचे संबलपुर गांव के किसान श्री सुखधर पोयाम ने बताया कि वे अपने 129 क्विंटल धान बेचने के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि टोकन कटाने से लेकर धान बेचने के दौरान खरीदी केन्द्र में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हुई और खरीदी केन्द्र में व्यवस्था भी अच्छी है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार उनका धान प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से खरीदा जा रहा है, जिससे वे संतुष्ट हैं। इसी प्रकार ईशलनार गांव से धान बेचने पहुंचे किसान श्री कचरू कोर्राम ने खरीदी केन्द्र में मिल रही सुविधाओं से संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वे भी अपने 100 क्विंटल धान को बेचने पहुंचे हैं और उनका भी धान 21 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से उनके धान को खरीदी जा रही हैं। इसके लिए कचरू और सुखधर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद किया।

मकसद साफ है संसद नहीं चलने देना है

संपादकीय

संसद सत्र आता है तो सबसे पहले यह खटका लगा रहता है कि यह सत्र ठीक से चलेगा या नहीं चलेगा क्योंकि संसद के कई सत्र किसी न किसी कारण से चलने नहीं दिए गए हैं। ऐसा भी नहीं है कोई राष्ट्रहित व जनहित का बड़ा मामला हो ऐसा होता तो भी जनता मान लेती की विपक्ष सही कर रहा है। होता यह है कि जब संसद सत्र शुरू होने वाला होता है तो उसके कुछ दिन पहले विदेशी अखबार कोई ऐसा खबर छापते हैं, कोई विदेशी संस्था ऐसी रिपोर्ट जारी कर देती है जिसे देश के लोग भले सच न माने लेकिन विपक्ष उसे दुनिया का सबसे बड़ा घोटाला बताता है और संसद में उसी पर चर्चा की मांग करता है,संसद अपन नियमों से चलती है, विपक्षी कुछ भी मांग करता रहेगा तो संसद उसके हिसाब से थोड़ी चलेगी। संसद को चलाना लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी होती है, वह नियमों के अनुसार संसद चलाना चाहते हैं तो विपक्ष को उसमें सहयोग करना चाहिए।

यह तो लोकतांत्रिक व्यवहार नहीं होता है कि हम जैसा चाहते हैं संसद को वैसे चलाया जाए,संसद ने चलने देने व संसद में हंगामा करने से जनता को लगता है कि विपक्ष देशहित व जनहित में सोच नहीं रहा है, वह अपनी राजनीति चमकाने के लिए सरकार को घेरने के लिए, सरकार को गलत साबित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है नहीं तो क्या वजह है कि विदेशी अखबार में खबर छपती है कि पेगासस के जरिए कई देशों में विशिष्ट लोगों की जासूसी की जा रही है। भारत के बारे में कहीं नहीं लिखा था रिपोर्ट में भारत में पेगासस के जरिए यहां के लोगों की जासूसी की जा रही है लेकिन विपक्ष के लिए सबसे बड़ा सत्य जो उसका इसको सिस्टम मानता है। मामला सुप्रीम कोर्ट गया, सुप्रीम कोर्ट ने जांच कराई तो किसी के भी फोन में पेगासस नहीं पाया गया लेकिन इस विदेशी झूठी खबर के चलते राहुलगांधी सहित विपक्ष ने संसद सत्र बरबाद कर दिया। विपक्ष जब क्षुद्र राजनीति के लिए विदेशी ताकतों के हाथों खिलौना बन जाता है तो उसकी साख देश में कम हो जाती है। वह जनता की नजर में भरोसेमंद नहीं रह जाता है जनता को लगता है विपक्ष मोदी सरकार को बदनाम करने के बहाने ढूंढ़ता है और विदेशी ताकते उसे यह मौका मुहैया कराती रहती है। पेगासस के अलावा हिंडनबर्ग ने अडानी के खिलाफ फर्जी रिपोर्ट जारी की तो उस पर विपक्ष ने यकीन किया और संसद सत्र चलने नहीं दिया। यह रिपोर्ट भी संसद सत्र के ठीक पहले विदेश संस्था ने जारी की थी। इसकी भी जांच सुप्रीम कोर्ट ने कराई तो इसमें भी कुछ सच नहीं निकला। हिंडनबर्ग को सेबी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया तो उसने जवाब की जगह सेबी अध्यक्ष पर सवाल उठा दिया कि उन्होंने ठीक से जांच नहीं कराई, कांग्रेस ने सेबी की अध्यक्ष की विश्वसनीयता पर कई बार सवाल उठाया लेकिन सेबी अध्यक्ष ने हर आरोप का जवाब दिया है और आरोप लगाने वालों को झूठा साबित किया है।

यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि पूरी दुनिया में भारत के उद्योगपति अडानी ही सब कुछ गलत करते हैं, बाकी दुनिया के सार उद्योगपति पाक साफ है, उन्होंने कभी कोई गलत काम नहीं किया है। माना जाता है कि अडानी को टारगेट इसलिए किया जाता है कि वह देश के ऐसे उद्योगपति है जिनका सहयोग भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम है। इसी वजह से फिर भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के लिए अडानी को विदेश से टारगेट किया गया है। इसे लेकर संसद में तो बवाल शुरू हो गया है हमेशा की तरह अडानी के शेयर गिरने अडानी को तो नुकसान हुआ है, देश को व देश की जनता को भी नुकसान हुआ है। सब जानते हैं कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है, वह मोदी के नेतृत्व में विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था बन गया है और आने वाले कुछ दिनों में वह विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। यह बात विश्व की पहले दूसरे नंबर के देश को कैसे पसंद आ सकती है। वह नहीं चाहते है कि भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनकर उनको चुनौती दे। इसलिए चीन हो या अमरीका कुछ न कुछ ऐसा करते रहते हैं कि भारत के संसद में अराजकता की स्थिति बनी रहे। देश में राजनीतिक बवाल होता रहे। देश में कहीं न कहीं अशांति बनी रहे। पहले बरसों कश्मीर को विदेशी ताकतों ने अशांत कर रखा था, वहां मोदी सरकार शांति लेकर आई है तो वहां फिर से हिंसा के जरिए अशा ?ति फैलाने की कोशिश की जा रही है। इसी तरह मणिपुर प्रायोजित हिंसा के चलते अशांत है, दोनों तरफ के उग्रवादी हिंसा कर रहे है, इससे उनको कोई फायदा नहीं हो रहा लेकिन मणिपुर शांत नहीं हो पा रहा है। विपक्ष के लिए मणिपुर अशांत है यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है, उसे तो मणिपुर के मुद्दे को इसलिए उठाना है कि इससे मोदी सरकार की असफलता सामने आती है, विपक्ष को लगता है वह इस मामले में सरकार पर भारी पड़ता है तो उसे सरकार पर भारी पडना अच्छा लगता है।

भारत में एकात्म मानववाद के सिद्धांत को अपनाकर हो आर्थिक विकास

– प्रहलाद सबनानी

भारतीय संस्कृति के अनुसार ही भारतीय आर्थिक दर्शन में भी सृष्टि की समस्त इकाईयों, अर्थात व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र एवं समष्टि को एक माला की कड़ी के रूप में देखा गया है। एकता की इस कड़ी को ही पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने 'एकात्म मानववाद' बताया है। एकात्म मानववाद वैदिक काल से चले आ रहे सनातन प्रवाह का ही युगानुरूप प्रकटीकरण है। सनातन हिंदू दर्शन आत्मवादी है। आत्मा ही परम चेतन का अंश है। पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने समाज और राष्ट्र में भी चित्त, आत्मा, मन, बुद्धि एवं शरीर आदि का समुच्चय देखा है। अत: इस एकात्म मानववादी दर्शन के उतने ही आयाम एवं विस्तार है, जितनी मनुष्य की आवश्यकताएं हैं। इन विभिन्न आवश्यकताओं का केंद्र बिंदु अर्थ को ही माना गया है। कौटिल्य ने अर्थशास्त्र की परिभाषा में लिखा है कि अर्थशास्त्र का मुख्य अभिप्राय, अप्राप्ति की प्राप्ति; प्राप्ति का संरक्षण तथा संरक्षित का उपभोग है। एकात्म मानववाद में भी आर्थिक व्यवहार उक्त आधारों पर ही टिके होते हैं। इस प्रकार, अर्थशास्त्र की दिशा स्वत: ही विकासवादी हो जाती है।वित्तीय खबरों की सदस्यता भारत के नागरिक पिछले लम्बे समय से पश्चिमी शिक्षा व्यवस्था में पले बढ़े हैं अत: वे भारत की पौराणिक एवं वैदिक ज्ञान परम्परा से विमुख हो गए हैं। इसी प्रकार, प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र एवं आर्थिक चिंतन से भी हम भारतीय इतने अधिक दूर हो गए हैं कि प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र को सिर्फउक्ति एवं सिद्धांत मानने के साथ साथ अव्यवहारिक भी मानने लगे हैं। जबकि, वैदिक साहित्य में धन के 22 से अधिक प्रकारों की स्पष्ट व्याख्या की गई है, जिसमें शेयर से लेकर आय एवं मूलधन भी सम्मिलित है। प्राचीन भारत के आर्थिक चिंतन को आज यदि लागू किया जाता है तो केवल भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता का कल्याण होगा, क्योंकि हिंदू अर्थशास्त्र एकात्म मानववाद पर आधारित है, जिसमें व्यक्ति अपने लिए नहीं, वरन समष्टि के लिए जीता है। इसे निम्नलिखित सूत्र के माध्यम से अधिक स्पष्ट किया जा सकता हैं –

हिंदू अर्थशास्त्र = व्यक्ति × परमार्थ (एकात्म मानववाद एवं त्याग)

पश्चिमी अर्थशास्त्र = व्यक्ति × स्वार्थ (आत्म केंद्रित एवं लाभ)

एकात्म मानववादी अर्थशास्त्र में व्यक्ति अपने एवं अपनों के स्थान पर समष्टि तथा चराचर और परमार्थ के लिए जीता है। जिसमें स्वयं के लिए मुनाफा एवं लाभ के स्थान पर दूसरों की चिंता मुख्य होती है। परंतु, इसके ठीक विपरीत पश्चिम का अर्थशास्त्र आत्मकेंद्रित व्यवहार एवं स्वार्थ पर खड़ा है।

पश्चिम के विकासवादी दर्शन का केंद्र मुनाफा, स्वार्थ एवं लाभ है। परंतु, हिंदू आर्थिक चिंतन के आधार पर खड़े एकात्म मानववाद का आधार अथवा केंद्र परमार्थ है। इसलिए एकात्म मानववादी आर्थिक विकास में विकास केवल अर्थ के लिए नहीं वरन परमार्थ के लिए है। हिंदू आर्थिक दर्शन परम्परा में विकास की अवधारणा को समग्रता में व्यक्त किया गया है। यह विकास त्रिगुण आधारित है। इस त्रिगुण में– सत, रज एवं तम सम्मिलित है। प्राचीन भारतीय चिंतन में सत्तवादी विकास श्रेष्ठ माना गया है। इस सत्तवादी विकास के तत्व हैं ज्ञान, तपस्या, सदकर्म, प्रेम एवं समत्वभाव तथा इसकी उपस्थिति सतयुग में मानी गई है। विकास का दूसरा स्वरूप रजस को माना गया। इस रजसवादी विकास के तत्व हैं अहंबुद्धि, प्रतिष्ठा, मानबढ़ाई, लौकिक, पारलौकिक सुखा मत्सर, दम्भ एवं लोभ तथा इसकी उपस्थिति त्रेतायुग में मानी गई है। इसे मानवीय और मध्यम माना गया है। इसी प्रकार, विकास का तीसरा स्वरूप तमस को माना गया है। इस तमसवादी विकास के तत्व हैं असत्य, माया, कपट, आलस्य, निंदा, हिंसा, विषाद, शोक, मोह, भय तथा इसकी उपस्थिति कलयुग में मानी गई है। इस प्रकार सत, रज एवं तम गुणों के आधार पर उक्त विकास के तीन रूपों के साथ एक मिश्रित विकास का भी मॉडल माना गया है, जिसमें रजस एवं तमस गुण मिले होते हैं और इस मॉडल की उपस्थिति द्वापर युग में मानी गई है। वित्तीय खबरों की सदस्यता।

इस प्रकार भारतीय चिंतन परम्परा में विकास के उक्त चार प्रारूप माने गए हैं। इन चारों प्रारूपों का उपयोग चार युगों सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग एवं कलियुग में होता पाया गया है। इसमें सबसे उत्तम सतयुगी विकास प्रारूप को माना गया है तथा सबसे अधम कलियुगी विकास प्रारूप को माना गया है। भारत में, वर्तमान खंडकाल में त्रेतायुग के रामराज्य को भी बहुत अच्छा माना गया है एवं इसके स्थापना की कल्पना की जाती रही है। पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने महात्मा गांधी जी के ट्रस्टी शिप एवं हिंद स्वराज्य के विवेचन को भी अपने विमर्श में स्थान दिया है। इस प्रकार भारतीय चिंतन परम्परा का आदर्श रामराज्य है, इसमें भरत जैसे राजा एवं जनक जैसे राजा तपस्वी के रूप में राज्य करते थे। स्वयं श्रीराम धर्म की मर्यादा को अपने लिए भी लागू करते थे एवं धर्म की मर्यादा का कभी भी उल्लंघन नहीं करते थे। सदैव प्रजा एवं प्रकृति की रक्षा एवं संवर्धन करते रहते हैं। यह एक ऐसा विकास का प्रारूप है जो आज भी आदर्श है। रामराज्य की अवधारणा भी एकात्म मानववाद के आधारों पर खड़ी थी। यह शासन तथा विकास एवं व्यवस्था में सब की भागीदारी तथा सब के लिए व्यवस्था थी, जो प्रकृति आधारित विकास पर बल देती थी।

भारत में सबसे छोटी इकाई व्यक्ति पर बल दिया गया है और उसका संगठन किया गया है। भारत में व्यक्ति के स्वरूप को जिस प्रकार संगठित और एकात्म किया गया वैसा पश्चिम में नहीं हो सका है। पश्चिम में केवल भौतिक प्रगति पर ही बल दिया गया है। पूरे विश्व में आज सर्वाधिक विकसित राष्ट्र अमेरिका को माना जाता है। अमेरिका में नागरिकों की भौतिक प्रगति तो बहुत हो गई है, परंतु अमेरिका के नागरिकों में सुख, संतोष और समाधान का पूर्णतया अभाव है। अमेरिका में व्यक्ति के जीवन में परस्पर विरोध, असमाधान, असंतोष, सर्वाधिक अपराध और आत्महत्याएं बहुत बड़ी मात्रा में व्याप्त हैं। अमेरिकी नागरिकों में तीव्र रक्तचाप, हृदय रोग एवं अपराध की प्रवृत्ति बहुत अधिक मात्रा में पाई जा रही है। पूरे विश्व को प्रभावित करने की क्षमता रखने वाला अमेरिका अपने नागरिकों के लिए भौतिक समाधान से आगे बढ़कर मानसिक समाधान प्राप्त नहीं कर सका है। इस धरा पर जन्म लेने के बाद प्रत्येक व्यक्ति का अंतिम लक्ष्य आखिर है क्या? सम्भवत: सुख जो चिरंतन एवं घनीभूत हो। इतनी भौतिक प्रगति करने के बाद भी अमेरिका एवं यूरोपीय देशों के नागरिकों में समाधान व सुख का अभाव है। ईसा ने कहा था कि 'सम्पूर्ण संसार का साम्राज्य भी प्राप्त कर लिया और यदि आत्मा का सुख खो दिया तो उससे क्या लाभ?'

भारत में छोटी से छोटी इकाई व्यक्ति संगठित और एकात्म है एवं व्यक्ति को खंडो में विभक्त समझने की बुद्धिमता प्रदर्शित नहीं की गई है। परंतु, अमेरिका के एक मनोवैज्ञानिक ने वर्णन किया है कि 'सड़कों पर एक ऐसी बड़ी भीड़ हमेशा लगी रहती है जो आत्मविहीन, मानसिक दृष्टि से अस्वस्थ, एक दूसरे से अपरिचित और नि:संग स्थिति में है। उनका अपने ही साथ समन्वय नहीं तो दुनिया के साथ क्या होगा? व्यक्ति का समाज के साथ समन्वय नहीं। व्यक्ति भी संगठित और एकात्म इकाई नहीं। केवल भौतिक स्तर पर विचार करने के कारण वहां व्यक्ति को भौतिक एवं आर्थिक प्राणी माना गया है। यदि भौतिक आर्थिक उत्कर्ष मानव को मिले तो उससे सुख की प्राप्ति होगी, यह माना गया। किंतु भौतिक आर्थिक उत्कर्ष की चरम सीमा होने पर भी सुख का अभाव है और इसका कारण यही है कि वहां खंड खंड में विचार करने की प्रणाली है, जिसमें व्यक्ति को केवल भौतिक आर्थिक प्राणी मान लिया गया है और व्यक्ति के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर संगठित एवं एकात्म रूप में विचार नहीं किया गया है।

जलवायु

जलवायु और स्वास्थ्य नीतियों में तारतम्य का वक्त

दिनेश सी. शर्मा

अजरबैजान के बाकू में जलवायु वार्ता का वार्षिक दौर खतरे की घंटी के साथ शुरू हुआ है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने अपने वार्षिक आकलन में बताया है कि 2024 सबसे गर्म साल रहने का रिकॉर्ड बनाने जा रहा है, जिसमें जनवरी और सितंबर के बीच वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि का पारा औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर से लगभग 1.54 डिग्री सेल्सियस अधिक के आसपास मंडराता रहा। यह एक गंभीर खतरा है क्योंकि यह इजाफा उस 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम सीमा से ऊपर है, जिसे वैज्ञानिकों ने तय किया था और विश्व समुदाय ने उत्सर्जन में कमी लाकर इसको इस हद से नीचा रखने के लिए सहमति बनाई थी। पेरिस समझौते का लक्ष्य औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर की तुलना में धरती की सतह के औसत वैश्विक तापमान में वृद्धि को दीर्घकाल में 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाना था। जबकि इस वर्ष ला नीना प्रभाव के कारण गर्मी में बढ़ोतरी हो सकती है। इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता है कि वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड घनत्व निरंतर बढ़ रहा है जो तापमान वृद्धि का कारण बनती है। तापमान वृद्धि से अतिवृष्टि और बाढ़, तीव्र उष्णकटिबंधीय चक्रवात, जानलेवा गर्मी, सूखा और जंगल की आग जैसे भयावह परिणामों के अलावा अनेक गहरे प्रभाव पड़ रहे हैं। जैसा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने व्याख्या की है : ह्यजलवायु आपदा स्वास्थ्य को नुकसान, असमानता में बढ़ोतरी और सतत विकास को हानि पहुंचा रही है, यह शांति की नींव को भी हिला रही हैह्व। फंड, उपायों पर अमल और जलवायु वाताओं के परिणाम चाहे जो भी हों, दुनिया के सामने यह संकट मुंह बाए खड़ा है।

जलवायु परिवर्तन का स्वास्थ्य पर प्रभाव व्यापक होता है। स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर हालिया रिपोर्ट ह्यद लैंसेट काउंटडाउनह्व बताती है :ह्वहर देश में अब लोगों को अपने स्वास्थ्य और अस्तित्व पर बने खतरे का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि जलवायु संकट बढ़ रहे हैंह्व। सेहत पर प्रभाव डालने वाले कारकों में अब बढ़ती गर्मी प्रमुख वजह है, वर्ष 2023 में लोगों को औसतन 50 से अधिक दिनों तक लगातार प्रचंड गर्मी झेलनी पड़ी, जबकि मौसम में आए बदलावों से पहले ऐसा नहीं होता था। इसके परिणामवश 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में जितने लोगों की मौतें हुई, वे 1990 के दशक के औसत से 167 प्रतिशत अधिक हैं। सर्वेक्षण में पाया कि 31 देशों ने कम-से-कम 100 दिनों से अधिक अवधि के लिए स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बनी गर्मी भुगती, जलवायु परिवर्तन के बिना ऐसा होने की उम्मीद न होती।

गर्मी के असर से शारीरिक गतिविधि और नींद की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे शारीरिक-मानसिक सेहत प्रभावित हो रही है। जो कर्मचारी खुले में या गैर-ठंडे बाहरी वातावरण में काम करते हैं, उन्हें स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है और उनकी उत्पादकता प्रभावित होती है। यह बहुत बड़ा नुकसान है क्योंकि विश्व स्तर पर लगभग 1.6 बिलियन लोग यानि कामकाजी आयु वर्ग की 25.9 प्रतिशत हिस्सा खुले में काम करता है। इसमें कृषि मजदूर, विनिर्माण एवं बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर कार्यरत और अनौपचारिक क्षेत्र में लगे लोग शामिल हैं।

स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का अन्य बड़ा असर यह होगा कि इससे जल-जनित, मच्छर-जनित, खानपान-जनित और वायु-जनित रोगों का प्रसार बढ़ने का खतरा है। बढ़ता तापमान, अतिशयी बारिश एवं सूखा, भूमि उपयोग में बदलाव और मानवीय गतिविधियां इस जोखिम में इजाफा करते हैं। उदाहरणार्थ पिछले 20 सालों में विश्व मेंडेंगू का प्रकोप बढ़ा है। 2023 में, एडीज एजिप्टी जैसे मच्छर का और अधिक इलाकों में फैलाव होने के कारण दुनियाभर में डेंगू के लगभग पचास लाख मामले सामने आए। तापमान वृद्धि के साथ हाल के दशकों में मलेरिया फैलने वाली अवधि भी बढ़ी है। दुनिया का 17 प्रतिशत अतिरिक्त भूभाग पी-फाल्सीपेरम जैसे मलेरिया परजीवियों के फलने-फूलने के अनुकूल हो गया है। जलाशयों के तापमान और लवणता में परिवर्तन के चलते जल जनित रोगों का संक्रमण अधिक फैल रहा है। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती और जलवायु परिवर्तन धीमा करने को निर्णायक कदम उठाने पर राजनेताओं और नीति निमार्ताओं में आम सहमति बनने का दुनिया अनिश्चित काल तक इंतजार नहीं कर सकती। वार्षिक जलवायु परिवर्तन वाताएं अपने-अपने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय आर्थिक हितों की रक्षा सुनिश्चित रखने के प्रयास बनकर रह गई हैं, और ऐसे पैंतरे अपनाए जाते हैं जिससे काम जल्दी होने की बजाय लटका रहे। इसलिए रास्ता यही कि लचीला जलवायु संबंधी तंत्र बने और उस पर अमल हो। हालांकि यह करना भी एक चुनौती है, उदाहरणार्थ, एयर-कंडीशनिंग जैसा उपाय अपनाना गर्मी के बढ़ते प्रकोप का स्थायी हल नहीं। यह महंगा व ऊर्जा की भारी खपत करने वाला है ,गर्मी के उत्सर्जन में योगदान करता है। इससे शहरी क्षेत्रों में, वाणिज्यिक और आवासीय भवनों में एयर-कंडीशनर के अत्यधिक उपयोग से बना ह्यहीट आइलैंडह्व बढ़ता है। इसलिए, हमें अक्षय ऊर्जा के साथ-साथ नवीकरणीय कम ऊर्जा खपत वाली शीतलन तकनीकों द्वारा संचालित एयर-कंडीशनिंग चाहिये।

डेंगू जैसी चुनौतियों के लिए, हमें जोखिम कम करने, एकीकृत मच्छर नियंत्रण उपायों और स्वास्थ्य प्रणालियों को अधिक प्रतिक्रियाशील बनाने पर जोर देने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र को भी अपने उत्सर्जन में कटौती करनी होगी झ वर्तमान में, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं का हिस्सा 5 प्रतिशत है। डब्ल्यूएचओ ने कॉप-29 सम्मेलन से पहले जारी की रिपोर्ट में बताया है कि स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए शहरों पर ध्यान देना आवश्यक है। शहरी नीतियां कुछ ऐसी बनाई जाती हैं जिनका असर वायु गुणवत्ता, परिवहन, ऊर्जा उपयोग, शहरी डिजाइन, हरित क्षेत्र, आवास और भोजन की पहुंच पर होता है और यह आगे सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। इसलिए, कम कार्बन और स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों वाले बदलाव लाने में देरी मानव स्वास्थ्य के लिए बड़ी हानि है। स्वास्थ्य पर जलवायु बदलावों का असर कम करने वाले तमाम उपायों पर काम करने की गाड़ी आखिर में आकर नई व्यवस्था और बेहतर विकल्प अपनाने पर होने वाले खर्च पर आकर अटक जाती है। इस हेतु अरबों डॉलर का अतिरिक्त फंड, जिसे देने का विकसित राष्ट्रों ने वादा किया था, शायद ही कभी पूरा हुआ हो। जलवायु सुधार फंड जुटाना एक जटिल मुद्दा है, उम्मीद करें कि बाकू में इस पर सार्थक प्रगति हो पाएगी। हालांकि, यह लगता नहीं, क्योंकि अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और ब्राजील सहित शीर्ष विश्व नेताओं ने वार्ता के शिखर सम्मेलन वाले सत्र में भाग न लेने का फैसला किया है। जैसा कि डब्ल्यूएचओ का कहना है कि जलवायु-फंड अंततः स्वास्थ्य-फंड है। जहां एक ओर जलवायु कार्रवाई के लिए धन का इंतजाम मानव स्वास्थ्य और अस्तित्व के लिए जरूरी प्रणालियों को बचाने में मदद कर सकता है वहीं स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष प्रभावों को कम करने और परस्पर जुड़े लाभ प्रदान करने में मदद कर सकता है। वर्तमान में, इस हेतु बना फंड बहुत कम है तिसपर उपलब्ध निधियों (ऋण, कर्ज आदि) का नाम बदलकर जलवायु-फंड किया जा रहा है। विकासशील और गरीब देशों को जलवायु सुधार, विशेष रूप से स्वास्थ्य अनुकूलन के लिए, अतिरिक्त फंड की आवश्यकता है। जलवायु और स्वास्थ्य नीतियों में तारतम्य बनाने का समय आ गया है क्योंकि मानव स्वास्थ्य और पृथ्वी की सेहत का नाता गहरे तक जुड़ा है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए आय को बढ़ाने वाला रहेगा। बिजनेस कर रहे लोगों की योजनाएं फलीभूत होंगी। आपको किसी काम को लेकर सोच विचारकर चलने की आवश्यकता है। प्रेम संबंधों में घनिष्ठता आएगी। आपको जीवनसाथी की जरूरतों पर पूरा ध्यान देना होगा। माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती हैं। भाई और बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। अविवाहित जातकों के लिए कोई बेहतर रिश्ता आ सकता है। रोजगार की तलाश कर रहे लोग को किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर सूझबूझ दिखाकर चलने की आवश्यकता है। आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं से आपको छुटकारा मिलेगा। जीवनसाथी से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोग किसी अजनबी पर भरोसा ना करें, नहीं तो वह उनके उस भरोसे को तोड़ सकता है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने कामों को लेकर व्यस्त रहेंगे। आप अपनी अनावश्यक खर्चों पर कंट्रोल करने की कोशिश करें, क्योंकि उनके बढ़ने से आपकी आर्थिक स्थिति डगमगा सकती है। कार्यक्षेत्र में आप कोई निर्णय जल्दबाजी में ना लें। आपका आत्मविश्वास बेहतर रहेगा, तभी आप किसी पर भरोसा कर पाएंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

कर्क- आज का दिन राजनीति में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको यदि कोई जरूरी जानकारी मिले, तो आप उसे तुरंत आगे ना बढ़ाएं। आप अपने प्रियजनों के साथ मिल बैठकर कुछ पारिवारिक समस्याओं को दूर करेंगे। आपको अपने मन में अच्छे विचार रखने होंगे। नौकरी करने कार्यरत लोगों को अपने टारगेट पर ध्यान देने की आवश्यकता है, नहीं तो उनके बॉस उनसे नाराज हो सकते हैं। आप किसी तरह का कोई जोखिम लेने से बचें, नहीं तो समस्याएं बढ़ेंगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको यदि कुछ समस्याएं आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपके व्यक्तित्व मे निखार आएगा। आपका कोई विरोधी आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकता है। कारोबार में आपको मन मुताबिक लाभ मिलेगा। किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। दांपत्य जीवन में खुशियां बनी रहगी। आप किसी काम को लेकर लापरवाही ना दिखाएं। घर परिवार में आपको साज सज्जा पर भी पूरा ध्यान देना होगा। आपको कुछ जरूरी कामों को लेकर पिताजी से बातचीत करनी होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको अपनी दिनचर्या को बेहतर बनाए रखना होगा। ससुराल पक्ष से यदि कुछ समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होंगी। आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी व सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपको अपनी आय को बढ़ाने के स्त्रोतों पर ध्यान देना होगा। यदि आपको कोई जिम्मेदारी दी जाएं, तो आप उससे पीछे न हटें। आपको माताजी की सेहत को लेकर लापरवाही नहीं करनी है। आपका कोई पुराना मित्र लंबे समय बाद आपसे मिलने आ सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए बुद्धि व विवेक से काम लेने के लिए रहेगा। आपको अपने मन में नकारात्मक विचारों को नहीं रखना है। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न होंगे। नौकरीपेशा लोगों को कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के मन में खुशी के फूल खिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको कोई पुरस्कार मिलने की संभावना है। आपको स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा, जिससे आपकी कोई पुरानी समस्या उभर सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे। आपको अपने मन में नकारात्मक विचारों को रखने से बचना होगा। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। संतान को तरक्की करते देखा आपको खुशी होगी। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के संबधों में यदि कुछ कटुता आ गई थी, तो वह भी दूर होगी। आप तरक्की की राह पर आगे बढ़ेंगे। आप किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोले, नहीं तो उन्हें बुरी लग सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा। आपको अप्रत्याशित लाभ मिलने से खुशी होगी। बिजनेस में आपको कोई नया एग्रीमेंट मिल सकता है। धन को लेकर यदि आपको कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी कर सकते हैं। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा। संतान को तरक्की करते देखा आपको खुशी होगी। आपको अपने किसी मित्र की कोई बात बुरी लग सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए कला कौशल में सुधार लेकर आएगा। आपको योग्यता अनुसार काम मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई पर पूरा ध्यान दें। आपको किसी प्रकार के वाद-विवाद में पड़ने से बचना होगा। जीवनसाथी से यदि आपकी किसी बात को लेकर खटपट चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। यदि आपकी कोई चिंता चल रही थी, तो वह भी दूर हो सकती है। नौकरी में कार्यरत लोगों को किसी बड़े पद की प्राप्ति होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहने वाला है। आप अपनी वाणी की सभ्यता बनाए रखें, नहीं तो आपके बेवजह की लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। आपको किसी सरकारी योजना में धन लगाने से पहले अपने पिताजी से सलाह की आवश्यकता है, क्योंकि वह आपको कोई अच्छी सलाह दे सकते हैं। प्रॉपर्टी की खरीदारी करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आप किसी बाहरी व्यक्ति के मामले में मामले में बेवजह ना बोले। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपको रणनीति बनाकर काम करने की आवश्यकता है। यदि आप किसी यात्रा पर जाने की सोच रहे थे, तो उसे कुछ समय के लिए टाल दे, नहीं तो किसी दुर्घटना के होने की संभावना बनती दिख रही है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कामों को लेकर थोड़ा ध्यान देना होगा। किसी अजनबी पर ज्यादा डिपेंड ना रहें। सेहत में कुछ उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। किसी विपरीत परिस्थिति में आपको धैर्य बनाए रखना होगा।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने की मांग

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। यह मांग बिल्कुल प्रासंगिक एवं भारत के पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। आज जबकि देश में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इजाफा हुआ है। सरकार को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए काम करते हुए एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की समृद्ध एवं शक्तिशाली परम्पराओं यानी योग, आयुर्वेद आदि को बल दे रहे हैं। वे आधुनिक चिकित्सा को सस्ता एवं जनसुलभ बनाने के लिये भी योजनाएं ला रहे हैं। इन्हीं सन्दर्भों में सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों दायर इस याचिका में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग समयोचित एवं सूझबूझभरा प्रयास है। ऐसा करने से जहां एक बड़ी आबादी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगी, वहीं पारंपरिक चिकित्सा को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती एवं सुगम हैं। इसके लिए ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है। इससे न सरकार पर ज्यादा बोझ आएगा और न जनता पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा का विस्तार होने से देश की कुल चिकित्सा लागत में कमी ही आएगी। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना या आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। लगभग 55 करोड़ लोग इसके दायरे में आते हैं। लेकिन एक बड़ी आबादी अब भी इसके लाभ से छूटी हुई है। पारंपरिक चिकित्सा और भी लोगों को जोड़ सकती है। इसको तेजी से विकसित कर व्यक्ति-व्यक्ति एवं घर-घर पहुंचाया जा सकता है। पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार ने काम शुरू कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर यह भी देखा जा रहा है कि किस तरह से भारत का पारंपरिक ज्ञान दुनिया को सेहतमंद रखने में योगदान दे सकता है। इस दिशा में रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान दिया जा रहा है। याचिका में उठाई गई मांग को पूरा करके सरकार अपने काम को ही आगे बढ़ाएगी एवं दुनिया के लिये एक स्वास्थ्य उजाला करेगी। दुनिया में आयुर्वेद एवं योग दोनों की मांग बढ़ रही है। बाजार की दृष्टि से देखें, तो इसकी ग्रोथ रेट 15 प्रतिशत से अधिक है। साल 2014 में आयुष का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2020 में बढ़कर 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। अमेरिका और यूरोप समेत 100 से अधिक देशों में भारत के हर्बल प्रॉडक्ट एवं आयुर्वेद इलाज पहुंच रहा है। आयुष्मान भारत के तहत इसे लाने से इसमें और तेजी आएगी। मांग बढ़ेगी तो जाहिर है कि उत्पादन भी बढ़ाना होगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बनेंगे, आर्थिक प्रगति होगी। भारत के आयुर्वेद का दुनिया बाजार बनेगी। इससे निश्चित ही भारत के दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने को बल मिलेगा। आयुर्वेद को दुनिया भर में स्वीकृत सबसे पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में से एक माना जाता है। आयुर्वेद में, पौधों, खनिजों, पशुओं से प्राप्त उत्पादों, आहार, व्यायाम, संयमित जीवनशैली और प्राकृतिक जीवन को शामिल किया जाता है। आयुर्वेद की शुरूआती अवधारणाएं अथर्ववेद में बताई गई हैं। इस पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में प्राचीन ज्ञान का अभी भी पूरी तरह से पता नहीं लगाया गया है। विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के समृद्ध ज्ञान के संगम से हर्बल दवा खोज प्रक्रिया में नए रास्ते खुल सकते हैं। इन प्रणालियों के सैद्धांतिक सिद्धांतों के बीच अंतर और समानता की समझ की कमी, पौधों पर आधारित दवाओं की खोज में अन्य बाधाओं के अलावा उनके अभिसरण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा है। इस समीक्षा का उद्देश्य आयुर्वेद के सदियों पुराने इतिहास और बुनियादी सिद्धांतों को सामने लाना है। इससे नवोदित विद्वानों, शोधकताओं और चिकित्सकों को पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की गहरी समझ हासिल करने, समानताओं को मजबूत करने और ऐसी औषधीय प्रणालियों की वैश्विक स्वीकृति और सामंजस्य की चुनौतियों को दूर करने में मदद मिलेगी। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति सदियों से आज तक जीवित और समृद्ध रही है। इस प्रकृति आधारित चिकित्सा के विशाल ज्ञान, मानव शरीर की संरचना और प्रकृति के साथ कार्य करने के संबंध और ब्रह्मांड के तत्व में समन्वय में कार्य करते हैं और जीवित प्राणियों को प्रभावित करते हैं, के साथ यह प्रणाली आने वाले युगों में भी समृद्ध होने की संभावनाओं को ही उजागर कर रही है। शोधकताओं, चिकित्सकों और क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा अभी भी कई रास्ते तलाशे जाने बाकी हैं ताकि इस ज्यादा सुरक्षित, कारगर एवं कम खचीर्ली पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को जीवंत बनाकर स्वास्थ्य की चुनौतियों को कमतर किया जा सके। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में से हर साल लगभग 58 लाख लोगों की मौत होती है। इनसे बचाव में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति कारगर साबित हो सकती है। केंद्र ने कुछ अरसा पहले ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी शामिल करने की मंजूरी दी थी। पारंपरिक चिकित्सा बढ़ती बुजुर्ग आबादी की जरूरतों को भी बेहतर तरीके से पूरा कर सकती है। आयुर्वेद दवाओं के साथ-साथ असाध्य बीमारियों को दूर करने में सहज, प्रकृतिमय और चिन्तामुक्त जीवन, शुद्ध वातावरण, शुद्ध हवा-पानी, सात्विक-संतुलित आहार और भरपूर मेहनत को बल दिया जाता है। महानगरों की भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में आदमी मात्र मशीन बनकर रह गया है। अपने स्वास्थ्य के बारे सोचने एवं समझने का समय भी उसके पास नहीं है। विकास की तीव्र गति से उपजी अति तनावपूर्ण जीवनशैली एवं प्रतिस्पधाओं ने चिन्ता एवं तनावों को जन्म दिया है, जो आधुनिक बीमारियों को बढ़ाते हैं।अनेक अनुसंधान एवं शोध में बताया गया है कि ध्यान एवं योग करने वाले व्यक्तियों की मनोविज्ञान में असाधारण रूप से परिवर्तन होता है। ऐसे व्यक्तियों में घबराहट, उत्तेजना, मानसिक तनाव, उग्रता, मनोकायिक बीमारियां, स्वार्थपरता और विकारों में कमी पाई गयी हैं तथा आत्मविश्वास, सहनशक्ति, स्थिरता, कार्यदक्षता, विनोदप्रियता, एकाग्रता आदि गुणों में वृद्धि देखी गयी है। ये ध्यान-साधना एवं योग में प्रत्यक्ष लाभ अनुभूत किये गये हैं जो तरह-तरह की बीमारियों पर नियंत्रण का सशक्त माध्यम है।

वनांचल क्षेत्र की गर्भवती माताओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

कवर्धा (दैनंदिनी)। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देश तथा कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन पर आज सुदूर वनाचल क्षेत्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिल्फी में गर्भवती महिलाओं और अन्य विशेषज्ञ स्त्री रोग, शिशु रोग विशेषज्ञ नेत्र जांच नाक, कान, गला जांच के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर और निशुल्क सोनोग्राफी जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 155 लोग लाभान्वित हुए। शिविर में 65 गर्भवती महिलाओं का निशुल्क सोनोग्राफी जांच किया गया। शिविर में आए सभी प्रकार के मरीजों की जानकारी सीएमएचओ डॉ. बी.एल. राज, जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. केशव ध्रुव और बीएमओ डॉ. विवेक चंद्रवंशी ने ली।

शिविर का उद्देश्य दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में ग्राम बोकरखार, महलीघाट, आमापानी , झलमला, बोड़लपान, शीतलपानी आसपास के गांवों से चिन्हित उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को 102 महतारी वाहन और पुलिस विभाग के माध्यम से शिविर तक लाया गया। स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित महिलाओं को शिविर में शामिल कर उनके स्वास्थ्य की व्यापक जांच की गई।

विशेषज्ञों की देखरेख में की गई जांच और उपचार

शिविर में गर्भवती महिलाओं की निशुल्क सोनोग्राफी जांच की गई। इसके अलावा, सभी महिलाओं का सीबीसी, ब्लड प्रेशर, वजन, और स्क्रिनिंग जांच भी की गई। चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश साहू और रेडियोलॉजिस्ट डॉ. वी. गोपाल कृष्णा की देखरेख में यह जांच पूरी की गई। शिविर मे डॉ मंजूषा यादव स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा गर्भवती माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और स्त्री रोग से संबंधित अन्य मरीज को भी देखा गया।

शिविर मे डॉ अनुष्का मिश्रा द्वारा बच्चों से संबंधित बीमारी का इलाज किया गया। शिविर मे डॉ हर्षित तुंवानी द्वारा मेडिसिन से संबंधित मरीज का इलाज शिविर में डॉ अदिति अग्रवाल के द्वारा सामान्य स्त्री से संबंधित इलाज शिविर में सिविल सर्जन डॉ केशव ध्रुव के विशेष निगरानी में संपन्न किया गया। शिविर मे विकास खंड से मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर विल्सन कुजूरआर, एमए अर्चना गोस्वामी और राकेश राठौर, आरएचओ श्री अशोक नवरंग दशवंती, कुशरे

निशा शर्मा, सुमिता सीएचओ सावित्री परते, एमएल टी विनोद चंद्रवंशी, एम टी एस राधे टेकाम नेत्र सहायक अधिकारी प्रभात गुप्ता, स्टाफ नर्स मुकेश चंद्रवंशी, आर एच ओ सकून नेताम सुषमा सेक्टर सुपरवाइजर बाबू लाल, डाटा ऑपरेटर मोहित चंद्रवंशी, बी ईटीओ माणिक चंद्रवंशी, बीपीएम रूपेश चंद्रवंशी, जिला स्तर से ऑडियो लॉजी अनिल बंजारे, साइक्रिटिक नर्सिंग अनिल हीयाल, पी पी एम निलेश टांडेकर एस टी एस भूपेंद्र भास्कर का योगदान रहा।

पहले भी आयोजित हुए शिविर

वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पहले भी इस प्रकार के शिविर आयोजित किए गए हैं। 19 जुलाई को झलमला, 7 अक्टूबर को तरेगांव, और 8 अक्टूबर को रेंगखार में शिविरों का आयोजन किया गया। 24 नवंबर को बोडला में किया गया। शिविर में श्री रामप्रसाद बघेल भी उपस्थित होकर शिविर का जायजा लिया।

गर्भवती माताओं से सीधा संवाद

शिविर में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने गर्भवती महिलाओं से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा माताओं से बातचीत कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। इस प्रकार के शिविर दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम साबित हो रहे हैं।

महिला और शिशु स्वास्थ्य पर केंद्रित प्रयास

राज्य शासन का यह प्रयास महिलाओं और शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। शिविरों के माध्यम से न केवल जटिलताओं का समय रहते पता लगाया जा रहा है, बल्कि महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

वनांचल क्षेत्रों में इस प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराना क्षेत्र की स्वास्थ्य संरचना को मजबूत करने में सहायक है।

जमात को नमाज की दावत को हराम कहना गलत

बालोद। जिले के दल्ली राजहरा में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है जिसमें राजहरा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष और सचिव द्वारा मामले को सुलझाने के बजाय तूल पकड़ाकर बड़ा किया जा रहा है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में सामने नगरीय निकाय चुनाव है जहां चुनावों में मुस्लिम समाज के वोटो का भी अहम रोल होता है। साथ ही छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड द्वारा अलग से मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष (सदर) पद के लिए भी चुनाव किया जाना है। इन्हीं सब मामलों को लेकर राजहरा मस्जिद कमेटी द्वारा नया नया बवाल खड़ा किया जा रहा है। जिसमें पिछली बार के प्रतिद्वंदी रहे निजामुद्दीन (फौजी) को बदनाम करने के लिए इस तरह की नौटंकी कर तमाशा बरपाया जा रहा है। आपको बता दें कि दल्ली राजहरा निवासी निजामुद्दीन (फौजी) ने दिनांक 01 अक्तूबर 2024 शुक्रवार के दिन मस्जिद के अंदर जमात के सामने, नमाज की दावत दी थी। लेकिन मस्जिद के इमाम साहब ने मिम्बर ए रसूल से निजामुद्दीन (फौजी) की नमाज की दावत को हराम करार दिया। जिसके बाद उन्होंने नमाज ए ईशा के बाद मस्जिद के इमाम से इस मामले के संबंध में बात करनी चाही तो उन्होंने सीसीटीवी कैमरे के दायरे में ही आकर इस मामले पर बात करेंगे कहा।

असुविधा से बचने के लिए आधार अपडेट अवश्य कराएं

मोहला। शासन की विभिन्न योजनाओं, सेवाओं व कार्यक्रमों का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड एक महत्वपूर्ण दस्तावेज के रूप में मान्य किया गया है। किसी भी योजना का लाभ लेने के लिए जिला का नाम आधार कार्ड में अपडेट होना आवश्यक है। आधार पोर्टल की वेबसाइट में अब जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी का नाम अद्यतन कर लिया गया है। अविभाजित जिला राजनांदगांव के नाम पर आधार कार्ड धारित हितग्राही अब जिला मोहला-मानपुर-अं.चौकी के नाम आधार अपडेशन कराने के लिए अपने नजदीकी आधार सेवा केंद्र में पहुंचकर आधार अपडेट करा सकते हैं। ई-जिला प्रबंधक महेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के लिए भारत सरकार आधार प्रदाय सेवा द्वारा जिला का नाम आधार पोर्टल में दर्ज हो गया है। जिले के नागरिक अब बिना किसी परेशानी के निर्धारित शुल्क देकर जिला मोहला-मानपुर -अंबागढ़ चौकी के नाम पर आधार अपडेट करा सकते हैं। हितग्राहियों को अपने नजदीकी आधार सेवा केंद्र में अपना पुराना आधार कार्ड लेकर पहुंचना होगा। उल्लेखनीय है कि जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के अंतर्गत वर्तमान में पुराना पटवारी कार्यालय भवन बांधाबाजार, तहसील कार्यालय अंबागढ़ चौकी, ग्राम पंचायत भवन आमाटोला, उप तहसील भवन वासड़ी, कलेक्ट्रेट कैंपस मोहला, तहसील कार्यालय मानपुर, ग्राम पंचायत भवन मानपुर, ग्राम पंचायत भवन खरदी, तहसील कार्यालय औंधी, डिजिटल चॉइस सेंटर मुरेटीटोला, ऑनलाइन सेंटर कोटरा, सीएससी सेंटर सीतागांव में आधार अपडेशन का कार्य किया जा रहा है।

धान खरीदी केंद्रों में श्रमिक पंजीयन शिविर का आयोजन

कोरिया। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निर्देश पर धान उपार्जन केंद्रों पर श्रमिकों के पंजीयन और नवीनीकरण के लिए विशेष शिविरों का आयोजन श्रम विभाग द्वारा किया है। यह अभियान 27 दिसंबर तक चलेगा। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि इन शिविरों के माध्यम से श्रमिकों को उनके अधिकारों और सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए श्रम पंजीयन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। बैकुंठपुर विकासखण्ड के धान खरीदी केंद्रो धौराटिकरा 27 तारीख, जामपरा में 29 को , सलबा में 2 दिसंबर, झारनापारा 3 दिसंबर, तरगंवा 4 को, छिंदिया 5 दिसंबर,सरभोका 6 दिसंबर, पटना 9 दिसंबर, गिरजापुर 10 दिसंबर तथा सोनहत विकासखण्ड के कटगोड़ी, सोनहत, रजौली, अकलासरई, रामगढ़ धान उपार्जन केंद्रों में 11 से 17 दिसंबर और खड़गवां विकासखण्ड के बंजारीडांड, चिरमी, पोड़ी, जिल्दा, बैमा, बड़ेकलुआ में 19-27 दिसंबर तक शिविर लगेगी। श्रम पदाधिकारी ने सभी श्रमिकों से अनुरोध किया है कि वे शिविरों में शामिल होकर अपने श्रम पंजीयन कार्ड बनवाएं या नवीनीकरण कराएं। उन्होंने बताया कि श्रमिक पंजीयन उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ दिलाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मोदी की गारंटी में साय ने बढ़ाई किसानों की खुशहाली

कवर्धा। जिले में धान खरीदी का सीजन शुरू होते ही किसानों के चेहरों पर उम्मीद की चमक साफ दिखाई दे रही है। बरसात के पहले से ही खेतों में धान फसल की तैयारी करने से लेकर फसल उगने और उनकी सालभर की मेहनत का फल अब मिलने लगा है। मोदी के गारंटी के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप समर्थन मूल्य पर धान खरीदी ने किसानों की खुशहाली बढ़ाई है। इस वर्ष भी किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की जा रही है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ''टोकन तुंहर हाथ एप्प'' की व्यवस्था की गई है, जिसके बेहतर संचालन से अब किसानों को धान खरीदी केन्द्र में आकर लम्बी लाईन में लगने से मुक्ति मिली है और वे अब अपने घर में बैठकर ही अपने मोबाइल एप्प के माध्यम से धान विक्रय के लिए तिथि चयन कर टोकन ले पा रहे हैं। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए उपार्जन केन्द्रों के माईक्रोएटीएम से 10 हजार रूपए तक की राशि निकालने की सुविधा भी दी गई है। इससे किसानों को धान बेचने परिवहन के लिए किराये पर लिए गए ट्रैक्टर, मेटाडोर

आदि का भाड़ा और हमाली मजदूरी का भुगतान करने में सुविधा होगी।

कवर्धा विकासखंड के लिमो गांव के किसान श्री लिखेंद्र बताते हैं कि इस बार हमारी फसल अच्छी हुई है। सरकार के समर्थन मूल्य और केंद्रों पर सुविधाओं ने हमें बहुत राहत दी है। उन्होंने बताया कि परिवार में लंबे समय से खेती-किसानी का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने इस वर्ष धान खरीदी प्रक्रिया को लेकर अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि परिवार मुख्य रूप से धान की खेती करते हैं विगत वर्षों की तुलना में इस वर्ष धान विक्रय में उन्हें किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष धान खरीदी केंद्रों में की गई व्यवस्थाएं काफी सराहनीय हैं। पहले उन्हें धान बेचने के लिए केंद्रों पर लंबी लाइनों में लगकर टोकन लेना पड़ता था, जिससे काफी समय बर्बाद होता था। लेकिन अब टोकन तुंहर हाथ ऐप की सुविधा मिलने से इस समस्या का समाधान हो गया है। अब वे घर बैठे ही टोकन प्राप्त कर सकते हैं और निर्धारित तिथि पर धान विक्रय कर सकते हैं। श्री लिखेंद्र ने बताया कि इस वर्ष टोकन के अनुसार धान विक्रय की प्रक्रिया बेहद सुचारू रही। धान खरीदी केंद्र पर बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता, माइक्रो एटीएम की सुविधा और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनों ने प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बना दिया है। इन सुविधाओं के चलते कम समय में ही धान विक्रय करना संभव हुआ। उन्होंने धान खरीदी की इस व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया। उन्होंने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि किसानों के लिए इस प्रकार की सुविधाएं न केवल समय बचाती हैं, बल्कि उन्हें मानसिक राहत भी प्रदान करती हैं।

कांकेर जिले में अब तक दो लाख क्विंटल धान खरीदी

उत्तर बस्तर कांकेर, 23 नवम्बर 2024। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार धान उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ हो गई है। प्रत्येक धान खरीदी केन्द्रों में किसानों को कोई परेशानी न हो इसके लिए आवश्यक व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया है। जिले के धान उपार्जन केन्द्र अलनियापारा के प्रभारी जोगेन्द्र पटेल ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी केंद्र में किसानों को कोई परेशानी न हो इसके लिए अवश्यक व्यवस्था की गई है। इसके अलावा प्रत्येक दिवस के टोकन अनुसार किसानों से धान खरीदी की जा रही है। उन्होंने बताया कि किसानों द्वारा लाए गए धान की मात्रा, आर्द्रता का प्रतिशत, बारदाने उपलब्धता, चबूतरा, धान से भरी बोरियों का समुचित ढंग से रखरखाव, स्टेकिंग, ढंकने हेतु तारपोलिन का इंतजाम किया गया है। उन्होंने राज्य शासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए जो ऐतिहासिक निर्णय लिया है वह सराहनीय है। धान उपार्जन केन्द्र अलनियापारा में धान बेचने पहुंचे ग्राम पथर्री के किसान पीताम्बर जैन ने बताया कि वे 110 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर विक्रय किए हैं। उन्होंने धान उपार्जन केन्द्र में समय पर बारदाना की उपलब्धता तथा तौल होने पर खुशी जाहिर करते हुए राज्य सरकार के प्रति आभार प्रकट किया। खाद्य विभाग से मिली जानकारी अनुसार जिले के 149 धान उपार्जन केन्द्रों में से 128 केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है।

जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक का हुआ समापन

बीजापुर। बस्तर ओलंपिक का जिला स्तरीय प्रतियोगिता का समापन हर्षोल्लास पूर्वक हुआ। विजेता खिलाड़ियों में आगामी संभाग स्तर के प्रतियोगिता के उत्सुकता दिखाई दे रही है। पूर्व मंत्री श्री महेश गागड़ा ने सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए संभाग स्तर की प्रतियोगिता में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया और जो खिलाड़ी संभाग स्तर के प्रतियोगिता के लिए चयन से चूक गए उन्हें पुनः अपनी पूरी क्षमता और ताकत के प्रयास करने की प्रेरणा दी। खेल में जीत और हार स्वाभाविक है जो आज हार गए हैं वह कल के विजेता होंगे। कोशिश करते रहना है कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। खो-खो कबड्डी, फुटबाल, व्हालीबाल, एथलेटिक्स सहित 11 खेलों में जूनियर एवं सीनियर वर्ग के महिला, पुरुष कुल 384 खिलाड़ियों का चयन संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक के लिए हुआ है। बीजापुर जिले में बस्तर ओलंपिक का ऐतिहासिक आयोजन हुआ जिसमें प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री, खेल मंत्री एवं बस्तर सासंद का आगमन हुआ जिससे खिलाड़ियों के हौसले बुलंद हुए।

बस्तर ओलंपिक जिला स्तरीय समापन समारोह को सीईओ जिला पंचायत श्री हेमंत रमेश नंदनवार ने संबोधित करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। वहीं जिला खेल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्री नारायण प्रसाद गवेल ने ब्लॉक एवं जिला स्तर पर सफलतापूर्वक आयोजित। खेल प्रतियोगिता में संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों प्रशिक्षकों एवं खेल भावना से खेलने के लिए खिलाड़ियों को आभार व्यक्त किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य श्रीमती बी पुष्पा राव, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती नीना रावतिया उददे, नगरपालिका अध्यक्ष श्री बेनहुर रावतिया, वरिष्ठ नागरिक श्री श्रीनिवास मुदलियार सहित जनप्रतिनिधिगण, एसडीएम बीजापुर श्री उत्तत सिंह पंचारी, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला खेल अधिकारी श्री नारायण प्रसाद गवेल सहित जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारी गण, गणमान्य नागरिक एवं मीडिया प्रतिनिधि मौजूद थे।

अवैध शराब परिवहन मामले में कुण्डा पुलिस ने फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

कवर्धा। थाना कुण्डा पुलिस को क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए *पुलिस अधीक्षक कबीरधाम धर्मेंद्र सिंह के निर्देशानुसार विशेष अभियान चलाने के आदेश प्राप्त हुए थे। इसके अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल एवं पंकज पटेल तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पंडरिया संजय ध्रुव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महेश प्रधान ने पुलिस टीम का गठन किया और सघन अभियान की योजना बनाई। दिनांक 08.11.2024 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सेन्हाभाठा पुलिया के पास एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर अवैध शराब का परिवहन कर रहा है। सूचना के आधार पर साइबर सेल और थाना कुण्डा पुलिस की संयुक्त टीम ने तत्काल घेराबंदी कर रेड कार्यवाही की।

पुलिस को आते देख आरोपी अपनी मोटरसाइकिल (क्रमांक सीजी 09 जेपी 1498) और 56 पौवा देशी मदिरा मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से शराब और मोटरसाइकिल जब्त कर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2), 59(क) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया और आरोपी की तलाश प्रारंभ की। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी की पहचान भरत पिता भोगू राम चंद्राकर (उम्र 42 वर्ष, निवासी नवागांव मुसऊ, थाना कुण्डा, जिला कबीरधाम) के रूप में की। आरोपी को आज दिनांक 25.11.2024 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक कबीरधाम धर्मेंद्र सिंह ने थाना कुण्डा पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए प्रशंसा की है और भविष्य में भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

स्वच्छ भारत अभियान जन-जन तक पहुंचाने संगोष्ठी का आयोजन

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में सफाई व्यवस्था में जन-जन की भागीदारी बढ़ाने के लिए संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, स्वच्छता ब्रान्ड अम्बेसडर बल्क वेस्ट जनरेटर, एन.डी.आर.एफ एवं सामाजिक कार्यकताओ की उपस्थिति में बैठक आयोजित हुई। प्रमुखता के साथ नागरिको के स्वच्छता के प्रति उनके दैनिक व्यवहार में कैसे परिवर्तन लाया जाए और आए हुए प्रबुद्वजनो द्वारा अपने विचार रखे गये।

प्रमुख सुझाव में स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग प्रदान करने हेतु नागरिको को प्रेरित करना। इसके लिए व्यापक स्तर पर शोसल मीडिया का उपयोग करना। अच्छे कार्य करने वाला का सम्मान करना, व्यावसायिक क्षेत्र में सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के संबंध में जन जागरूकता हेतु मुनादी करना। जो व्यापारी नहीं मानते है उनसे अर्थदण्ड वसूलने की कार्यवाही करना। घर से मिक्स गीला एवं सूखा कचरा एक में देने वाले परिवारो को निगम के एस.एल.आर.एम. सेंटर में ले जाकर दिखाना। जिससे उन्हे ज्ञात हो सके कि गीला एवं सूखा कचरा एक में न देने से कितनी परेशानी होती है, छाटते समय।

प्रत्येक स्कूल में विद्यार्थियो को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना एवं प्रत्येक सप्ताह स्वच्छता संबंधी गतिविधियो से उनको जोड़ना। आम नागरिको में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने हेतु वार्ड के जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाना। ब्रान्ड अम्बेसडर की मदद से स्वच्छता के प्रति आम नागरिको के व्यवहार में परिवर्तन लाने हेतु जागरूता संबंधी विभिन्न गतिविधियां लाना। समस्त वार्डो में लोगो को प्रोत्साहित कर होम कम्पोस्टिंग का कार्य कराया जाना। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में लगे वाहनो में स्वच्छ भारत मिशन संबंधी जिंगल बजाकर लोगो में प्रचार-प्रसार करना आदि बिन्दुओ पर सुझाव दिया गया। अंत में सब लोग मिलकर स्वच्छता शपथ लिए। संगोष्ठी के दौरान विचार रखने वाले चिकित्सा से डॉ. राजीव पाल, साहित्य से डॉ. महेशचंद शर्मा, डॉ. विश्वनाथ पाणीग्रही, अमित इंटरनेशनल से सिद्वीकी, रूंगटा से सुभाष झा, छ.ग. एन.डी.आर.एफ पुलिस असिस्टेंट कमान्डेंट कन्हैया योगी, वंदेमातरम अपार्टमेंट से श्रीनिवास खेड़िया, कला जगत से श्रवण कुमार, जोन आयुक्त येशा लहरे, कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा, अभियंता, स्वास्थ्य अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षक, सूडा के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

10 नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने पंजाब एफसी के खिलाफ तीन अंक हासिल किए

नई दिल्ली : नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने पंजाब एफसी के खिलाफ 2-1 से शानदार जीत दर्ज की, क्योंकि उनकी अग्रिम पंक्ति के शुरुआती हमलों ने हाईलैंडर्स के लिए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में शनिवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में इस मुकाबले से तीन अंक हासिल करने का रास्ता साफ कर दिया। पहले हाफ के अतिरिक्त समय में दिनेश सिंह को बाहर भेजे जाने के कारण 10 खिलाड़ियों की सिमट गई नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने खेल के दूसरे दौर में आराम से जीत हासिल करने के लिए अपनी रक्षात्मक पंक्ति को एक साथ रखा। शुरुआती हमले के लिए बाढ़ के दरवाजे हाईलैंडर्स की मेहनती आक्रमण इकाई द्वारा रखे गए थे, जिन्होंने विपक्ष की बैकलाइन को फैलाने की दिशा में रचनात्मक प्रयास किए। स्टार स्ट्राइकर अलादीन अजराय ने एक स्वतंत्र भूमिका निभाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली और गेंद को बाएं किनारे पर गहराई तक ले गए, आगे बढ़े और 18-यार्ड बॉक्स के अंदर एक निर्णायक क्रॉस दिया। जब गेंद भीड़भाड़ वाले पेनल्टी एरिया में गिरी, तो गिलर्मो फर्नांडीज सही समय पर सही जगह पर पहुंचे और पास को टैप करके 15वें मिनट में हाईलैंडर्स के लिए बढ़त सुनिश्चित की।

इस गोल ने हाईलैंडर्स के सेटअप को काफी आत्मविश्वास से भर दिया और उन्होंने अधिक ध्यान और जोश के साथ अपने गोल-स्कोरिंग अवसरों की खोज शुरू कर दी। तीन मिनट बाद, बुआनथांग्लुन सैमटे और नेस्टर अल्बियाच की जोड़ी ने शाम का दूसरा गोल किया। पहले गोल की तरह ही, सैमटे ने बाएं फ्लैंक के अंदरूनी चैनल पर आगे बढ़कर नेस्टर के लिए एक बेहतरीन पास दिया, जो 18-यार्ड बॉक्स के केंद्र में था। हमलावर ने गेंद को उचित तरीके से मारा, स्ट्राइक को ऊपरी बाएं कोने में वॉली करके अपनी टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया और उन्हें प्रतियोगिता में काफी आगे ले गया। दिनेश को मैच का दूसरा पीला कार्ड मिलने के बाद हाईलैंडर्स की बढ़त रुक गई, ठीक पहले हाफ की सीटी बजने वाली थी।

जसप्रीत बुमराह टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक

भारत के ए-लिस्टर जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में अपने शानदार रिकॉर्ड के साथ खुद को महान खिलाड़ियों में से एक माना है। बुमराह सोमवार को पर्थ में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ के पहले मैच में 295 रनों की बेजोड़ जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया में भारत की सबसे बड़ी टेस्ट जीत (रनों के अंतर से) के पीछे के वास्तुकारों में से एक थे।

नई दिल्ली : 30 वर्षीय बुमराह ने कप्तान और भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के प्रमुख तेज गेंदबाज के रूप में पूरे चार दिनों तक शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा और 8/72 के मैच के आंकड़े के साथ वापसी की। पर्थ में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए, बुमराह को ऑप्टस स्टेडियम में बीजीटी के शुरुआती मैच में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अपने वीरतापूर्ण प्रयास से, बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में मात्र आठ मैचों में 40 टेस्ट विकेट चटकाए हैं, जिसमें उनका औसत 18.80 रहा है, जबकि स्ट्राइक रेट 45.7 रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ऑस्ट्रेलिया में मेजबान या मेहमान टीम के लिए कम से कम 30 टेस्ट विकेट लेने वाले 100 गेंदबाजों में से, बुमराह का औसत केवल न्यूजीलैंड के दिग्गज रिचर्ड हेडली (17.83) से बेहतर है। यह एक आँकड़ा बताता है कि बुमराह किस तरह से आधुनिक समय के महान गेंदबाज़ के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में विकेट लेने की अपनी बेजोड़ क्षमता का परिचय दिया है। वर्तमान युग के 'सबसे महान तेज़ गेंदबाज़' के रूप में लेबल किए गए, बुमराह के मैच के आंकड़े टेस्ट प्रारूप में किसी भारतीय कप्तान द्वारा किए गए शीर्ष पाँच रिटर्न में शामिल हैं।

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव और बिशन सिंह बेदी ने उनके प्रभावशाली प्रदर्शन को बेहतर बनाया है। 1983 में अहमदाबाद में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ़ कपिल द्वारा किए गए 10/135 के प्रदर्शन को आज भी रेड-बॉल क्रिकेट में किसी भारतीय कप्तान द्वारा किए गए सर्वश्रेष्ठ मैच रिटर्न के रूप में जाना जाता है।

1977 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ WACA में बिशन के 10/194 रन इस सूची में दूसरे सर्वश्रेष्ठ मैच के आंकड़े हैं। 1976 में चेन्नई में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ बिशन के 9/70 रन तीसरे स्थान पर हैं, जबकि सोमवार को पर्थ में बुमराह ने कमाल दिखाया।

कपिल देव ने टीम का नेतृत्व करने के लिए बुमराह की प्रशंसा की

मुंबई: दिग्गज कपिल देव ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे पर्थ टेस्ट में भारत की अगुवाई करने के लिए जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा की और कहा कि मेहमान टीम ने अब तक उम्मीद से बढ़कर प्रदर्शन किया है।पर्थ टेस्ट के लिए कार्यवाहक कप्तान बुमराह ने पहली पारी में 30 रन देकर 5 विकेट चटकाए और टीम को 46 रन की महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई, जबकि ऑस्ट्रेलिया की टीम महज 104 रन पर आउट हो गई। बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में 11वीं बार पांच विकेट लिए, जो SENA (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में उनका सातवां भी था, जिसने उन्हें इन देशों में सबसे ज्यादा पांच विकेट लेने के मामले में कपिल के बराबर पहुंचा दिया।विश्व समुद्र गोल्डन ईगल गोल्फ चैंपियनशिप के दौरान कपिल ने यहां मीडिया से कहा, 'बुमराह को विशेष बधाई दी जानी चाहिए, क्योंकि ऐसा बहुत कम होता है कि गेंदबाजों को कप्तान के रूप में चुना जाता है और उन्हें जिस तरह से नेतृत्व करते हुए देखा गया है, उसे देखकर बहुत अच्छा लगता है।' कपिल ने देश में तेज गेंदबाजी को फिर से चर्चा में लाने के लिए बुमराह की सराहना की। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है - उनके रिकॉर्ड बताते हैं (कि वह कितने अच्छे हैं)। वह दुनिया के शीर्ष गेंदबाज हैं, हमें और क्या चाहिए?' उन्होंने कहा, 'मैंने पहले कभी नहीं सोचा था कि भारत में एक तेज गेंदबाज की इतनी चर्चा होगी, लेकिन आज ऐसा हो रहा है और मुझे इस पर खुशी और गर्व है।' भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शुरुआती टेस्ट में शानदार वापसी करते हुए पूरी तरह से नियंत्रण हासिल कर लिया, जिसमें यशस्वी जायसवाल की शानदार 161 रन की पारी, केएल राहुल की 77 रन की पारी और विराट कोहली के अर्धशतक की मदद से टीम की कुल बढ़त 400 के पार पहुंच गई। कपिल ने कहा कि भारत का प्रदर्शन अपवादों के विपरीत था, क्योंकि टीम को हाल ही में न्यूजीलैंड ने घरेलू मैदान पर 0-3 से हराया था। उन्होंने कहा, 'टीम वास्तव में अच्छा खेल रही है। उन्हें पहला टेस्ट जीतना चाहिए, सकारात्मक सोच हमेशा बनी रहनी चाहिए।'

रसिख डार को आरसीबी ने 6 करोड़ रुपये में खरीदा, मोहित शर्मा को डीसी ने खरीदा

नई दिल्ली : जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज रसिख सलाम को रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 6 करोड़ रुपये में खरीदा। नीलामी के दौरान, उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और दिल्ली कैपिटल्स से भी बोलियां आकर्षित कीं, जिसके साथ उन्होंने पिछले सीजन में आठ मैचों में नौ विकेट लिए थे, उन्होंने 'राइट टू मैच' कार्ड का उपयोग करने की कोशिश की, लेकिन नीलामी की मेज पर आरसीबी ने बाजी मार ली।

रसिख ने हाल ही में संपन्न एसीसी इमर्जिंग टीम के एशिया कप के दौरान चार मैचों में 10.33 की औसत से नौ विकेट लिए। मुंबई इंडियंस (MI) के गेंदबाज आकाश मधवाल, जिन्होंने 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर नीलामी में प्रवेश किया था, को पंजाब किंग्स से भी बोली मिलने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने 1.2 करोड़ रुपये में खरीदा। पिछले दो सत्रों में MI के लिए 13 मैचों में उन्होंने 19 विकेट लिए।

मोहित शर्मा, भारतीय तेज गेंदबाज, जो नीलामी में 'अनकैप्ड खिलाड़ी' के रूप में प्रवेश कर रहे थे, क्योंकि उन्होंने पांच साल से अधिक समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला था, को दिल्ली कैपिटल्स (DC) ने 2.2 करोड़ रुपये में खरीदा। 2023 में, उन्होंने गुजरात टाइटन्स (GT) के साथ एक पुनरुद्धार सत्र खेला, जिसमें उन्होंने 14 मैचों में 27 विकेट लिए। 112 मैचों में, उन्होंने आईपीएल में 132 विकेट लिए हैं। विशाख विजयकुमार, जिन्होंने चार मैचों में चार विकेट लेकर RCB को प्लेऑफ़ में पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, को पंजाब किंग्स ने 1.8 करोड़ रुपये में चुना, जबकि उनकी पूर्व फ्रैंचाइज़ी ने उनके लिए RTM कार्ड का उपयोग नहीं किया। तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी अनसोल्ड रह गए। हिमाचल प्रदेश के स्विंग गेंदबाज वैभव अरोड़ा को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 1.8 करोड़ रुपये में खरीदा। इस साल चैंपियन केकेआर के साथ पिछले सीजन में उन्होंने 10 मैचों में 11 विकेट लिए थे। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स से भी बोलियां मिलीं। पिछले सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए खेलने वाले विदर्भ के यश ठाकुर ने एक फाइवर सहित 10 मैचों में 11 विकेट लिए थे, उन्हें पंजाब किंग्स ने 1.6 करोड़ रुपये में खरीदा।रविवार से सोमवार तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी इस साल के क्रिकेट कैलेंडर का सबसे दिलचस्प दिन होगा, जिसमें कई अंतरराष्ट्रीय सितारे नीलामी में शामिल होंगे, रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद है और कुछ अप्रत्याशित क्रॉसओवर की संभावना है।

1,574 नामों के शुरुआती पूल में से कुल 574 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है इस सूची में 208 विदेशी खिलाड़ी, 12 अनकैप्ड विदेशी प्रतिभाएं और 318 अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं।

भारत ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया पर शानदार जीत के साथ इतिहास रच दिया

नई दिल्ली: भारत ने सोमवार को पर्थ में ऑस्ट्रेलिया को शानदार तरीके से हराकर इतिहास रच दिया, जो एशिया के बाहर उनकी सबसे बड़ी जीत में से एक है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में भारत ने 295 रनों से जीत दर्ज की, जिसने भारत के दबदबे को दर्शाया। यह जीत रनों के लिहाज से एशिया के बाहर भारत की सबसे बड़ी जीत में से एक है, जो 2019 में नॉर्थ साउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ 318 रनों की जीत से ही आगे है। अन्य उल्लेखनीय जीतों में 1986 में हेडिंग्ले में इंग्लैंड पर 279 रनों की जीत, 1968 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ 272 रनों की जीत और 2019 में किंग्स्टन में वेस्टइंडीज पर 257 रनों की जीत शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में 295 रनों की यह जीत रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी जीत में से एक है। एकमात्र बड़ी जीत 2008 में मोहाली में मिली, जहां भारत ने 320 रनों से जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलिया पर अन्य महत्वपूर्ण जीत में 1977 में मेलबर्न में 222 रनों की जीत, 1998 में चेन्नई में 179 रनों की जीत और 2008 में नागपुर में 172 रनों की जीत शामिल है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की हार 21वीं सदी में घरेलू सीरीज के पहले टेस्ट में एक दुर्लभ हार भी थी। पिछले उदाहरणों में 2008 और 2016 दोनों में पर्थ (WACA) में दक्षिण अफ्रीका से और 2018 में एडिलेड में भारत से हार शामिल हैं। यह जीत भारत का ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज़ ओपनर जीतने का दूसरा उदाहरण है, पहली जीत 2018 में एडिलेड में उनकी जीत थी।

पर्थ में भारत की व्यापक जीत श्रृंखला के लिए टोन सेट करती है, टीम अब पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है। मजबूत गेंदबाजी और ठोस चौतरफा प्रयास से उजागर हुआ यह प्रदर्शन ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सफल होने के लिए भारत की शक्ति और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। मैच की बात करें तो, कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह मैच के स्टार रहे, उन्होंने आठ विकेट लिए, जिसमें पहली पारी में महत्वपूर्ण पांच विकेट शामिल थे। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत सिर्फ 150 रनों पर ढेर हो गया, जिसमें नीतीश कुमार रेड्डी (59 गेंदों में 41 रन, छह चौकों और एक छक्के की मदद से) और ऋषभ पंत (78 गेंदों में 37 रन, तीन शतक और एक छक्के की मदद से) ने महत्वपूर्ण पारियां खेलीं और छठे विकेट के लिए 48 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। जोश हेज़लवुड (4/29) ऑस्ट्रेलिया के लिए गेंदबाजों में से चुने गए, कप्तान पैट कमिंस, मिशेल मार्श और मिशेल स्टार्क ने दो-दो विकेट लिए हालांकि, मिशेल स्टार्क (26) और एलेक्स कैरी (21) ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को 104 रनों पर पहुंचा दिया, जिससे भारत को 46 रनों की बढ़त मिल गई। जसप्रीत बुमराह भारत के लिए सबसे अच्छे गेंदबाज रहे, जिन्होंने 18 ओवर में 5/30 विकेट लिए। हर्षित राणा ने भी डेब्यू करते हुए 3/48 के स्पेल से प्रभावित किया। अपनी दूसरी पारी में, भारत ने अपनी बढ़त को काफी बढ़ा लिया। केएल राहुल (176 गेंदों में 77 रन, पांच चौकों की मदद से) और यशस्वी जायसवाल के बीच 201 रनों की ओपनिंग साझेदारी हुई। जायसवाल ने देवदत्त पडिक्कल (71 गेंदों में 25 रन, दो चौकों की मदद से) के साथ 74 रनों की शानदार साझेदारी भी की। बाद में, वह 297 गेंदों में 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 161 रन बनाकर मिशेल मार्श की गेंद पर आउट हो गए। विराट (143 गेंदों में 100*, आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से) और वाशिंगटन सुंदर (94 गेंदों में 29, एक छक्के की मदद से) के बीच 89 रनों की साझेदारी और विराट और नीतीश कुमार रेड्डी (27 गेंदों में 38*, तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से) के बीच 77 रनों की साझेदारी ने भारत को 487/6 पर पहुंचा दिया। भारत ने 533 रनों की बढ़त हासिल कर ली है, जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 534 रनों का विशाल लक्ष्य मिल गया है। ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन लियोन (2/96) ने सबसे बेहतरीन गेंदबाज़ी की। कमिंस, स्टार्क और हेज़लवुड ने एक-एक विकेट लिया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 12/3 था, जिसमें बुमराह ने दो और मोहम्मद सिराज ने एक विकेट लिया। मोहम्मद सिराज के दो विकेट और ट्रैविस हेड की 72 गेंदों में 63 रनों की आक्रामक पारी पहले सत्र का मुख्य आकर्षण रही। लंच के समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चौथे दिन 104/5 था। सिराज ने पूरे जोश के साथ दिन का पहला विकेट लिया, उन्होंने उस्मान ख्वाजा को 4 रन पर आउट किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया 17/4 पर संघर्ष कर रहा था। ऑस्ट्रेलिया का संघर्ष जारी रहा और वे 17.3 ओवर में 50 रन पर पहुँच गए। इसके बाद स्टीवन स्मिथ और ट्रैविस हेड ने ठोस साझेदारी करके पारी को स्थिर किया।

व्यापार

मुंबई समेत कई शहरों में सीएनजी की कीमत में दो रुपये की बढ़ोतरी, दिल्ली को फिलहाल राहत

नई दिल्ली : नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और अन्य शहरों में सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी की गई, लेकिन दिल्ली को इससे छूट दी गई है, जहां कुछ ही महीने में चुनाव होने वाले हैं। एमजीएल की वेबसाइट के अनुसार, मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में सीएनजी की कीमतों में दो रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। मुंबई समेत देश के कई शहरों में सीएनजी की कीमत में दो रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई, लेकिन चुनावी राज्य दिल्ली में उपभोक्ताओं को फिलहाल इससे छूट दी गई। राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहरों में सीएनजी और खाना पकाने के लिए घरों में पाइप के जरिये प्राकृतिक गैस पहुंचाने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने सप्ताहांत में सीएनजी की कीमत में दो रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और अन्य शहरों में सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी की गई, लेकिन दिल्ली को इससे छूट दी गई है, जहां कुछ ही महीने में चुनाव होने वाले हैं। एमजीएल की वेबसाइट के अनुसार, चुनाव समाप्त होने के साथ ही मुंबई में गैस की खुदरा बिक्री करने वाली महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में सीएनजी की कीमतों में दो रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी है। एमजीएल और अदाणी टोटल गैस लिमिटेड जैसे अन्य सिटी गैस रिटेलर्स ने कच्चे माल की लागत में 20 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद पिछले दो महीनों से खुदरा कीमतों को यथावत रखा था। मुंबई में विधानसभा चुनाव समाप्त होते ही एमजीएल ने 23 नवंबर से सीएनजी की कीमतें दो रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाकर 77 रुपये कर दी। शहन में सीएनजी की खुदरा बिक्री करने वाले अन्य ने भी इसकी कीमतें बढ़ा दी हैं। आईजीएल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में सीएनजी की दरें 75.09 रुपये प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित बनी हुई हैं, जबकि नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा गाजियाबाद में कीमतें दो रुपये प्रति किलोग्राम बढ़कर 81.70 रुपये और गुरुग्राम में 82.12 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। इसे 23 नवंबर से लागू किया गया। सीएनजी की दरें स्थानीय करों जैसे वैट की वजह से हर राज्य में अलग-अलग होती हैं। जब 2022 में उत्तर प्रदेश में चुनाव होने वाले थे, तब आईजीएल ने दिल्ली में कीमतों में संशोधन किया था, लेकिन उप्र के शहरों के लिए दरों में कोई बदलाव नहीं किया था। उद्योग सूत्रों ने कहा कि जनवरी या फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद दिल्ली में सीएनजी की कीमतों में संशोधन किया जा सकता है। एजीएल और आईजीएल ने कीमतों में वृद्धि के कारणों का खुलासा नहीं किया, लेकिन सूत्रों ने कहा कि यह वृद्धि उचित थी क्योंकि विनियमित या एपीएम गैस की आपूर्ति में लगातार दो दौर की कटौती के बाद फर्मों को अब महंगी गैस खरीदनी पड़ रही है।

अदाणी जब तक 'रिश्वत विवाद' से मुक्त नहीं हो जाते, तब तक कोई नया निवेश नहीं, फ्रांस के टोटल समूह का बयान

नई दिल्ली : ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज फ्रांसीसी कंपनी टोटल एनर्जी अदाणी समूह की कंपनियों में तब तक कोई निवेश नहीं करेगी, जब तक कि अदाणी समूह रिश्वतखोरी के आरोपों से मुक्त नहीं हो जाता। टोटल एनर्जी ने सोमवार को यह बात कही। कंपनी ने और क्या कहा इस बारे में जानें। ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज फ्रांसीसी कंपनी टोटल एनर्जी अदाणी समूह की कंपनियों में तब तक कोई निवेश नहीं करेगी, जब तक कि अदाणी समूह रिश्वतखोरी के आरोपों से मुक्त नहीं हो जाता।

टोटल एनर्जी ने सोमवार को यह बात कही और बताया कि कथित भ्रष्टाचार की जांच के बारे में उसे जानकारी नहीं है। टोटल एनर्जी अरबपति गौतम अदाणी के व्यापारिक साम्राज्य में सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में से एक है और इसके पास समूह के अक्षय ऊर्जा उद्यम अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एईजीएल) और सिटी गैस इकाई अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) में हिस्सेदारी है। फ्रांसीसी कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसे पता चला है कि अमेरिकी अधिकारियों ने गौतम अदाणी और दो अन्य अधिकारियों पर एईजीएल के लिए सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को कथित तौर पर 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। टोटलएनर्जीज ने कहा, 'यह अभियोग न तो एजीईएल और न ही एजीईएल से संबंधित कोई कंपनी से जुड़ा है।'

कंपनी ने कहा, 'जब तक अदाणी समूह समूह से जुड़े लोगों के खिलाफ आरोप और उनके परिणामों को स्पष्ट नहीं कर दिया जाता, तब तक टोटल एनर्जीज अदाणी समूह की कंपनियां में अपने निवेश के हिस्से के रूप में कोई नया वित्तीय योगदान नहीं करेगी।' टाटल एनर्जीज के पास अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड में 19.75 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। यह गौतम अदाणी की ओर से संचालित भारतीय समूह की अक्षय ऊर्जा कंपनी है। इसके पास तीन अन्य संयुक्त उद्यम कंपनियों में भी 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी है जो सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन करती है। फ्रांसीसी कंपनी के पास अदाणी टोटल गैस लिमिटेड में भी 37.4 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

]यह कंपनी ऑटोमोबाइल सीएनजी और खाना पकाने के लिए घरों में पाइप के जरिए प्राकृतिक गैस बेचती है। अदाणी समूह ने अमेरिकी अदालत में अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है और कहा है कि वह हर संभव कानूनी उपाय अपनाएगा।

ऍफ़वाई25 की तीसरी तिमाही में कंपनियों का मुनाफा घटेगा- रिपोर्ट

नई दिल्ली: एक्सिस सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश की स्टील कंपनियों को वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में मार्जिन पर दबाव का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि स्टील की कीमतों में नरमी के कारण स्प्रेड में कमी आई है।रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन में कमजोर मांग और देश से अधिक निर्यात को स्टील की कीमतों में गिरावट के पीछे प्रमुख कारक माना गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जनवरी से अक्टूबर 2024 के बीच चीन का स्टील निर्यात 92 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इससे वैश्विक बाजार में अधिक आपूर्ति हुई है, जिससे घरेलू स्तर पर कीमतों में गिरावट आई है। इसमें कहा गया है कि 'चीन की कमजोर घरेलू मांग और अधिक चीनी निर्यात के कारण भारत में स्टील की कीमतों में गिरावट आई है। जनवरी 2024 से अक्टूबर 2024 तक चीनी स्टील निर्यात 92 MTPA रहा, जो पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है।' भारत में, मुंबई के व्यापारी बाजार में हॉट-रोल्ड कॉइल (HRC) स्टील की औसत कीमत वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में साल-दर-साल 8 प्रतिशत और तिमाही-दर-तिमाही 6 प्रतिशत गिरकर 51,802 रुपये प्रति टन हो गई। स्टील की कीमतें और गिरकर 49,000 रुपये प्रति टन हो गई हैं, जो वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के औसत से 5 प्रतिशत कम है। रिपोर्ट में चीन के आवासीय संपत्ति क्षेत्र में सुधार के कुछ संकेत भी दिए गए हैं, जिसमें मांग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नीतिगत उपायों के बाद प्रमुख शहरों में लेनदेन में वृद्धि हुई है। हालांकि, चुनौतियां बनी हुई हैं, क्योंकि सितंबर 2024 में साल-दर-साल फ्लोर स्पेस के तीन महीने के मूविंग एवरेज में साल-दर-साल 19 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो नकारात्मक क्षेत्र में बनी हुई है। इसमें कहा गया है कि 'चीन के आवासीय संपत्ति क्षेत्र में सुधार के कुछ संकेत दिख रहे हैं, क्योंकि मांग को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में शुरू किए गए नीतिगत उपायों के बाद प्रमुख शहरों में लेनदेन बढ़ रहे हैं'।

म्यूचुअल फंड में निवेश करना काफी आसान, बाजार के उथल-पुथल में एसआईपी से बेहतर रिटर्न

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजारों में इस समय भारी उथल-पुथल है। इसके कई कारण हैं। लेकिन ऐसे उतार-चढ़ाव में भी म्यूचुअल फंड एसआईपी लंबे समय में बेहतर रिटर्न दे सकता है। एसआईपी की विभिन्न स्कीमों और इसमें निवेश का गणित बताती अजीत सिंह की रिपोर्ट एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़े बताते हैं कि अक्तूबर में सिस्टैमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिये निवेश अब तक के रिकॉर्ड 25,323 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। 63,69,919 नए एसआईपी खाते खुले हैं। निवेशकों के निवेश का मूल्य यानी एसेट अंडर मैनेजमेंट 13,30,430 करोड़ रुपये हो गया है। इन आंकड़ों से यह पता चलता है कि अक्तूबर में बाजार की भारी गिरावट में निवेशकों का रुझान एसआईपी की ओर बढ़ा है। वे म्यूचुअल फंड के जरिये इक्विटी में सुरक्षित निवेश कर अच्छा लाभ कमा रहे हैं।

म्यूचुअल फंड में निवेश करना काफी आसान

एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश करना बेहद आसान है। इसे मासिक आधार पर किया जाता है। मिडकैप म्यूचुअल फंड सबसे ज्यादा बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में पैसा लगाते हैं। इससे उन्हें स्मॉल कैप से मिड कैप और लार्ज कैप से मिड कैप की ओर जाने वाली कंपनियों के लिए निवेश का ज्यादा मौका मिलता है।

इस प्रकार की कंपनियों में निवेश करने से निवेशकों को विकास के अवसरों के साथ-साथ अधिक स्थिरता भी मिलती है।

इक्विटी के साथ डेट और सोने में भी निवेश का अवसर

एसआईपी के जरिये आप इक्विटी के साथ डेट और सोने में भी निवेश कर सकते हैं। इसका असर यह होता है कि किसी एक संपत्ति में गिरावट आती है तो दूसरी संपत्ति का रिटर्न उसे समायोजित करने में मदद करता है। मिडकैप की बात करें तो एडलवाइस मिडकैप फंड ने 15 वर्षों में एसआईपी निवेश पर 21.76 प्रतिशत का सालाना रिटर्न दिया है। मासिक 10,000 रुपये का एसआईपी निवेश 15 साल में 1.12 करोड़ रुपये हो गया। जबकि वास्तविक निवेश केवल 18 लाख रुपये का रहा है। एक लाख का एकमुश्त निवेश 15 साल में 16.45 लाख रुपये हो गया है।

नई लॉन्च होने वाली योजनाओं में भी अवसर

म्यूचुअल फंड में आप नई लॉन्च होने वाली योजनाओं में भी निवेश कर सकते हैं। देशों के बीच बढ़ते तनाव, बाजारों का ऊंचा मूल्यांकन और विश्व अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सोच-समझकर दांव लगाना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक- ब्रजेश शुक्ला c/o के. के. शर्मा पत्रकार कॉलोनी, रिंग रोड नं.2 कस्तूरबा नगर बिलासपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल-DAINANDINI@YAHOO.IN, MAIL2DAINANDINI@GMAIL.COM

मिनी स्टेडियम के निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर

कवर्धा (दैनंदिनी)। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने जिले में खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के तहत स्वीकृत मिनी स्टेडियमों के निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने निर्माण एजेंसी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि मिनी स्टेडियम युवाओं के भविष्य से जुड़े हुए हैं। इन कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही, अनियमितता या गुणवत्ताहीन कार्य हरगिज बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि मिनी स्टेडियम केवल खेल को बढ़ावा देने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने का जरिया भी हैं। ये स्टेडियम युवाओं की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास के नए अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि निर्माण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी सहन नहीं की जाएगी। सभी परियोजनाएं तय समय-सीमा में पूरी होनी चाहिए। निर्माण कार्य प्रारंभ से समापन तक उच्चतम गुणवत्ता के मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

कलेक्टर ने बैठक में सख्त निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होना चाहिए। यदि गुणवत्ताहीन निर्माण की शिकायत मिली, तो इसकी तत्काल जांच की जाएगी। शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित ठेकेदारों पर कठोर कार्रवाई होगी, और भविष्य में उन्हें सरकारी निर्माण कार्यों से वंचित किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों को नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखना अनिवार्य होगा। कार्य में देरी या अनियमितता पाए जाने की स्थिति में संबंधित एजेंसी का भुगतान रोकने का निर्देश भी दिया गया।

24 गांवों में स्टेडियम निर्माण की स्वीकृति

इस योजना के तहत जिले के दौजरी, बदरा डीह, बैजलपुर-मक्के, उसरवाही, झलमला, चिल्फी, खैरबना, बंदरची, जिटाटोला, खारा, सूरजपुरा, बदौड़ा खुर्द, सिघनपुर जंगल, दुल्लापुर, घुघरिकल, पवंतरा, नेवारी, तीतरी, सिल्हाटी, अमलीडीह, भोंदा, काँपा, कामड़बरी और नेउर गांव खुर्द में मिनी स्टेडियम बनाए जाएंगे।

12.29 करोड़ रुपये की मंजूरी, कार्य में तेजी का निर्देश

आरईएस विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री आई.पी. सोमनकर ने बताया कि जिले के 24 गांवों में मिनी स्टेडियम निर्माण के लिए राज्य शासन द्वारा 12.29 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। प्रत्येक मिनी स्टेडियम के निर्माण पर लगभग 51 लाख की लागत आएगी। टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और वर्क ऑर्डर भी जारी कर दिए गए हैं।

खेल सुविधाओं का विस्तार और युवाओं के लिए अवसर

मिनी स्टेडियम निर्माण का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को खेल के लिए उपयुक्त बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

इन स्टेडियमों में स्थानीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा सकेगा, जिससे बच्चों और युवाओं को अपने खेल कौशल को निखारने का अवसर मिलेगा।

इन मिनी स्टेडियमों में फुटबॉल, क्रिकेट, कबड्डी जैसे खेलों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले मैदान और सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

पेंटा गांव बना हर घर जल प्रमाणित ग्राम

दंतेवाड़ा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा दी गई जानकारी अनुसार विकासखंड कुआकोंडा के ग्राम पेंटा को ''हर घर जल प्रमाणित'' का प्रमाण पत्र दिया गया। ग्राम पेंटा जिला मुख्यालय से लगभग 57 किमी दूर बसा गांव है। यह विकासखंड कुआकोंडा का ग्राम पंचायत माहराहाउरनार का आश्रित ग्राम है। यहां की कुल घरों की संख्या 100 है। ग्राम में मुख्यतः आदिवासी और पिछड़ा वर्ग समुदाय के लोग रहते हैं। जिनका दैनिक जीवन खेती और मजदूरी द्वारा आजीविका पर निर्भर है। इस क्रम में जल जीवन मिशन के तहत ग्राम पेंटा में कुल 4360 मीटर पाइप लाइन बिछाकर पटेलपारा में 40 केएल उच्च स्तरीय जलागार के माध्यम से सभी 100 घरों और स्कूल और आंगनबाड़ियों में पेयजल की सुविधा पहुंचाई गई है। इस मौके पर ग्राम पेंटा में जल उत्सव का आयोजन कर ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती सोनी कश्यप, सचिव सीताराम सिन्हा द्वारा ग्राम पेंटा को हर घर जल ग्राम घोषित किया गया। इस दौरान वहीं गांव की महिलाएं, वरिष्ठ ग्रामीण इतनी बड़ी योजना का ग्राम तक आने और ग्रामीणों को योजना के संचालन की जिम्मेदारी देने से आश्चर्य और खुशी दोनों ही प्रकट कर रहे थे। इस संबंध में महिलाओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमने कभी सोचा ही नहीं था कि कभी हमारे गांव के घर आंगन में नल लगेगा और पीने का साफ पानी मिलेगा। पहले हम लोग हैंडपंप में दूर दूर तक पीने का पानी लाने जाते थे। हमने तो अपना पूरा जीवन ऐसे ही पानी भरते ही गुजारा है। इसके अलावा हैंडपंप भी खराब हो जाने से पानी लेने दूसरे पारा मोहल्ले जाना पड़ता था।

महिलाओं की आत्मनिर्भरता और बेटियों के सुनहरे भविष्य का आधार बनी महतारी वंदन योजना

कवर्धा। कबीरधाम जिले के बोडला विकासखंड के ग्राम भोंदा में रहने वाले मरार पटेल परिवार की कहानी आज हर परिवार के लिए प्रेरणा बन गई है। यह संयुक्त परिवार, जिसमें सदाराम पटेल और उनके छोटे भाई रामकुमार पटेल अपनी पत्नियों, बेटों, बहुओं और पोते-पोतियों के साथ रहते हैं, महतारी वंदन योजना से न केवल आर्थिक मजबूती हासिल कर रहा है, बल्कि बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ठोस योजनाएं भी बना रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कमजोर तबके की महिलाओं के लिए शुरू की गई महतारी वंदन योजना ने पटेल परिवार की छह महिलाओं को हर माह 1 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी है। इस योजना के तहत अब तक 9 किस्तें जारी की जा चुकी हैं। दीपावली से पहले 25 अक्टूबर को महिलाओं के खातों में नौवीं किस्त जमा हुई।

संयुक्त परिवार की सशक्त कहानी

सदाराम पटेल और उनकी पत्नी सुखबती पटेल के दो बेटे और बहुएं हैं। बड़ी बहू दिलेश्वरी (पति गीताराम) और उनके तीन बच्चे बरखा, अंजू और प्रभा। दूसरी बहु मनीषा (पति जगियाराम) और उनका बेटा मिंताशु है। सदाराम के छोटे भाई रामकुमार पटेल और उनकी पत्नी बीरझा बाई के भी दो बेटे और बहुएं हैं। बड़ी बहू अनिता (पति नरेन्द्र) जिनके दो बेटे और एक बेटी हैं। इसी तरह दूसरी बहु गनेशिया (पति फगियाराम) और उनकी एक बेटी है।

सुकन्या समृद्धि और ग्रामीण डाक जीवन बीमा योजना में निवेश के लिए मन बनाया

परिवार की बहुओं और माताओं ने महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि को बेटियों की शिक्षा और शादी के लिए उपयोग करने का मन बनाया है। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना और ग्रामीण डाक जीवन बीमा में लाभकारी योजना में निवेश का निश्चय किया है।

उनका कहना है कि इस योजनाओं से बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सकेगा। योजनाएं 2039-40 तक उनके बच्चों के भविष्य के लिए आर्थिक रूप से सहायक साबित होंगी। पटेल परिवार की बहुएं सुखबती पटेल और बीरझा बाई ने बताया, महतारी वंदन योजना ने हमें आत्मनिर्भर बनने और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की दिशा में काम करने का विश्वास दिया है। परिवार के भी का मिला कर हर माह 6 हजार रुपए की अतिरिक्त आय से हमारा जीवन स्तर बेहतर और खुशहाल होने लगा है। पांच साल में यह राशि 3.60 लाख तक पहुंच जाएगी। हमे पूरा विश्वास है कि यह योजना आगे भी चलते रहेगी।

कबीरधाम जिले में अब तक महतारियो को 212.04 करोड़ रुपए मिले

कबीरधाम जिले में 2.55 लाख महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही हैं। हर माह 23.56 करोड़ रुपए डीबीटी के माध्यम से इन महिलाओं के खाते में पहुंच रहे हैं। अब तक जिले की महिलाओं को कुल 212.04 करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं। महतारी वंदन योजना ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही उनके परिवारों को आर्थिक स्थिरता प्रदान की है। यह योजना न केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा कर रही है, बल्कि आने वाले समय के लिए भी मजबूत आधार तैयार कर रही है। मरार पटेल परिवार ने इस योजना के जरिए यह सिद्ध कर दिया है कि एक सुविचारित दृष्टिकोण और योजनाबद्ध निवेश से बेटियों के उज्ज्वल भविष्य का सपना साकार किया जा सकता है।

किरन्दुल नगर बीआईओपी स्कूल में मनाया गया एनसीसी दिवस

दंतेवाड़ा/किरंदुल (ब्यूरो)। लौह नगरी किरन्दुल स्थित एनएमडीसी बीआईओपी स्कूल के बच्चो द्वारा धूमधाम से 76 वाँ एनसीसी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एनएमडीसी परियोजना के उप- महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष कार्मिक बी.के. माधव के द्वारा एनसीसी के झण्डे का ध्वजारोहण के साथ किया गया और फिर एनसीसी कैडेट के बच्चों ने झंडे को सलामी दी। इस अवसर पर बीआईओपी स्कूल के बच्चो द्वारा अतिथियों के लिए स्वागत नृत्य भी पेश किया और साथ ही कैडेट के बच्चो ने परेड भी किया। इस कार्यक्रम के अवसर पर कार्मिक विभाग अध्यक्ष उप-महाप्रबंक बी.के. माधव ने एनसीसी दिवस के उपलक्ष्य में बच्चो के लिए अपने भाषण में कहा की एनसीसी में बच्चो को बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए और इससे देशप्रेम और देश सेवा का भाव आता है। एनसीसी से बच्चो के शारीरिक विकास में भी मदद मिलती है। साथ ही बीआईओपी स्कूल प्राचार्य सुनील दुबे और एनसीसी प्रभारी अधिकारी प्रियंका महाजन ने भी इस दिवस पर अपना वक्तव्य बच्चो के साथ साझा किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसी तरह एनसीसी कैडेट टेग पर चलते हुए देश की प्रगति में योगदान के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के समापन में नवनियुक्त एनसीसी प्रभारी अधिकारी प्रियंका महाजन ने सेवानिवृत्त हुए एनसीसी अधिकारी राज नाथ जी को स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें भावभीनी विदाई दी तथा राजनाथ सर ने अपने अनुभव शेयर किए अंत में उप-महाहाप्रबंक माधव ने एनसीसी कैडेट के बच्चो द्वारा निकली एन सी सी दौड़ को हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से एनएमडीसी प्रबंधन के अधिकारी मौजूद रहे जिसमे कार्मिक विभागाध्यक्ष बी.के. माधव एवं इंदिरी माधव, कार्मिक उपमहाहाप्रबंक के.नागवेणी जी, तनवीर जावेद, कार्मिक सह-महाप्रबंधक अभिजीत घोष, नवीन कुमार एवं केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य बलजिंदर सिंह, डीएवी प्रभारी प्राचार्य विज्ञया त्रिपाठी.मौजूद थे और साथ बीआईओपी स्कूल के समस्त स्टाफ और शिक्षक गण मौजूद रहे और सहयोग किया.

सुरक्षा कैम्प के स्थापना से कोण्डापल्ली में विकास मूलक कार्य में आई गति

बीजापुर। बीजापुर जिले के धुर माओवाद प्रभावित क्षेत्रों मे नवीन सुरक्षा कैम्पों के स्थापना से विकास मूलक कार्यो में तेजी आ रही है। ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं मुहैय्या कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा हर आवश्यक पहल की जा रही है। सड़क, बिजली, पानी, राशन, अस्पताल,स्कूल, आंगनबाड़ी जैसे बुनियादि सुविधाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है। हाल ही उसूर ब्लॉक के धुर माओवाद क्षेत्र कोण्डापल्ली में पुलिस सुरक्षा कैम्प स्थापित होने के पश्चात् शुद्ध पेयजल ग्रामीणों सुलभ कराने 4 नवीन हैण्ड पंप स्थापित किए गए है। जिसमें ग्रामीणों को अब पेयजल के लिए जद्दोजहद करने से निजात मिलेगी। समुचित पेयजल मिलने से ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है और विभिन्न बुनियादि सुविधाएं मिलने के लिए आशान्वित नजर आ रहे है। छत्तीसगढ़ शासन के महत्वाकांक्षी योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए ग्रामीणों में उत्सुकता देखने को मिल रही है। शासन-प्रशासन से जुड़कर विकास की मुख्य धारा में जुड़ने के लिए ग्रामीणों को अब उम्मीद की नई किरण दिखाई दे रही है। कोण्डापल्ली में 1500 से अधिक जनसंख्या निवासरत है। सारकेगुड़ा में आयोजित आधार कैम्प के माध्यम से 120 लोगों का आधार कार्ड बनाया जा चुका है वहीं राशन कार्ड बनाने का कार्य प्रगति पर है।

नेशनल लोक अदालत 14 को

दंतेवाड़ा। जिला न्यायालय से प्राप्त जानकारी अनुसार 14 दिसंबर को जिला न्यायालय में नेशनल 'लोक अदालत' का आयोजन किया जाएगा। 'लोक अदालत' आपसी सुलह या बातचीत की एक ऐसी प्रणाली है, जहां अदालत में लंबित मामलों (या विवाद) या जो मुकदमेबाजी से पहले के चरण में हैं, उन दो पक्षों में समझौता किया जाता है, या सौहार्द्रपूर्ण तरीके से निपटाया जाता है। लोक अदालत त्वरित और सस्ते न्याय के लिए वैकल्पिक समाधान या युक्ति प्रदान करती है! इस हेतु 14 दिसंबर 2024 को जिला न्यायालय दंतेवाड़ा, तालुका बीजापुर सुकमा बचेली में खंडपीठों का गठन करके नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा और उसमें विभिन्न प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन एवं अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों के रखे जाने के संबंध में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार होता द्वारा 22 तारीख को समस्त बैंक, वी एस एन एल, नगर पालिका, विद्युत एवं बीमा कंपनियों के अधिकारियों के साथ तथा 24 तारीख को समस्त प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक लिया गया। बैठक में न्यायालयों में लंबित सिविल, दांडिक, पारिवारिक, मोटर दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, बीमा, प्री लिटिगेशन प्रकरण एवं छोटे अपराध से संबंधित मामलों को अधिक से अधिक संख्या में प्रस्तुत करने एवं उनका निराकरण किए जाने का निर्देश दिए गए। बैठक में न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, पुलिस विभाग के अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी एवं बैंक के अधिकारियों ने उपस्थित रहें।

कलाकारों ने बताये अपने हेयरकेयर सीक्रेट्स!

मुंबई। खूबसूरत बाल सिर्फ किस्मत की बात नहीं, बल्कि सही देखभाल और रूटीन का नतीजा है। फ्रिज़ी बालों को संभालना हो, रूखापन दूर करना हो, या बालों की मजबूती और चमक बनाए रखना हो, हर किसी के बालों की ज़रूरत अलग होती है। एण्डटीवी के कलाकारों ने अपने आज़माए हुए हेयरकेयर सीक्रेट्स साझा किए और बताया कि कैसे वे अपने बालों को खूबसूरत और सेहतमंद बनाए रखते हैं। इनमें शामिल हैं नेहा जोशी ('अटल' की कृष्णा देवी वाजपेयी), विक्रम द्विवेदी ('भीमा' के विशंभर सिंह), गीतांजलि मिश्रा ('हप्पू की उलटन पलटन' की राजेश) और शुभांगी अत्रे ('भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाबी)।

नेहा जोशी ऊर्फ 'अटल' की कृष्णा देवी वाजपेयी ने कहा, ''एक वर्किंग वूमन के रूप में, मेरे लिए अपने नैचुरली घुंघराले बालों (कर्ली हेयर्स) की देखभाल करना थोड़ा मुश्किल होता है। बालों को रूखा और उलझने से बचाने के लिए मैं एक होममेड मास्क का इस्तेमाल करती हूं, जिसमें एवोकाडो, नारियल तेल, और अंडे की जर्दी होती है। इसे बालों में लगाकर मैं 30 मिनट तक छोड़ देती हूं और फिर गुनगुने पानी से धो लेती हूं। यह मेरे बालों को गहराई से मॉइश्चराइज करता है और उन्हें पोषण देता है। मैं हीट स्टाइलिंग से बचती हूं और बालों की सुरक्षा के लिए चोटी जैसे हेयरस्टाइल्स अपनाती हूं। बालों को फ्रिज़-फ्री और हेल्दी रखने के लिए सिल्क स्कार्फ या तकिए का इस्तेमाल भी मेरे रूटीन का हिस्सा है।''

'भीमा' में विशंभर सिंह का किरदार अदा कर रहे विक्रम द्विवेदी कहते हैं, ''मेरे लिए हेल्दी स्कैल्प और पोषित बाल ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन, दोनों ही बेहद जरूरी हैं। मैं हेयर जेल, वैक्स, या स्प्रे जैसे स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स का अधिक इस्तेमाल करने से बचता हूं, क्योंकि ये बालों में गंदगी जमा कर सकते हैं और उन्हें कमजोर बना सकते हैं। मेरी हेयर केयर रूटीन की शुरुआत हफ्ते में दो बार गर्म तेल की मालिश से होती है। मैं नारियल तेल में मेथी के दाने मिलाकर इस्तेमाल करता हूं और कभी-कभी स्कैल्प को हाइड्रेटेड और हेल्दी रखने के लिए उसमें टी ऑयल की कुछ बूंदें भी डालता हूं। स्कैल्प की मसाज से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और डैंड्रफ से सुरक्षा भी मिलती है। इसके अलावा, मैं बाहर जाते समय बालों को प्रदूषण और खराब मौसम से बचाने के लिए टोपी या स्कार्फ का इस्तेमाल जरूर करता हूं।''

गीतांजलि मिश्रा जोकि 'हप्पू की उलटन पलटन' में राजेश का किरदार निभा रहीं हैं, ने कहा, ''अच्छे बालों की देखभाल सिर्फ शैंपू तक सीमित नहीं होती, बल्कि बालों को सही पोषण देना भी जरूरी है। मेरी रूटीन की शुरुआत हफ्ते में एक बार गर्म तेल की मालिश से होती है, जिसमें मैं नारियल तेल में करी पत्ते और गुड़हल की पंखुड़ियां मिलाकर बालों की जड़ों को मजबूत और कंडीशनर करती हूं। इसके बाद मैं माइल्ड, सल्फेट-फ्री शैंपू और हाइड्रेटिंग कंडीशनर का इस्तेमाल करती हूं, जिससे बाल मुलायम और चमकदार बने रहते हैं। बालों को उलझने से बचाने के लिए मैं एक लीव-इन सीरम लगाती हूं, जो बालों में नमी बनाए रखता है। हफ्ते में एक बार मैं केला और शहद का हेयर मास्क लगाकर बालों की डैमेज़ रिपेयर करती हूं और उनमें नैचुरल चमक लाती हूं। यह रूटीन मेरे बालों को हेल्दी और मजबूत बनाए रखने में मदद करती है।''

शुभांगी अत्रे ऊर्फ 'भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाबी ने कहा, ''मेरे लिए खूबसूरत बालों का राज है उन्हें भीतर से पोषण देना। मैं हाइड्रेटेड रहती हूं और ऐसी चीजें खाती हूं जो ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर हों, जैसे अखरोट और अलसी के बीज, जो बालों को मजबूत रखने में मदद करते हैं। मैं घर पर ही मेथी के बीजों का हेयर मास्क बनाती हूं। रातभर भिगोए गए मेथी के बीजों को दही के साथ मिलाकर पेस्ट बनाती हूं, जो डैंड्रफकम करने और स्कैल्प को हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है। बाल धोने के बाद मैं ब्लो-ड्राई करने से बचती हूं और हल्के हाथों से तौलिए से सुखाती हूं, जिससे उनका नैचुरल टेक्सचर बना रहता है। बालों के सिरों पर आर्गन ऑयल की एक बूंद लगाकर स्प्लिट एंड्स से बचाव करती हूं और बालों में चमक लाती हूं। यह सिंपल रूटीन मेरे बालों को मुलायम, मजबूत और हेल्दी बनाए रखती है।''

देखते रहिये अपने पसंदीदा शोजः 'अटल' रात 8:00 बजे, 'भीमा' रात 8:30 बजे, 'हप्पू की उलटन पलटन' रात 10:00 बजे और 'भाबीजी घर पर हैं' रात 10:30 बजे, हर सोमवार से शुक्रवार, सिर्फएण्डटीवी पर!

संविधान दिवस पर होंगे विविध आयोजन

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजंरग कुमार दुबे के मार्गदर्शन में महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत निर्मित अमृत सरोवर स्थल पर 26 तारीख को संविधान दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन होगा। इस संबंध में जनपद पंचायत सीईओ एवं मनरेगा कार्यक्रम अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। आयोजन का उद्देश्य संविधान के प्रति नागरिकों को जागरूक करना और उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों का महत्व समझाना है। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय संविधान की उद्देशिका के सामूहिक पाठ से होगी। छात्रों के लिए निबंध लेखन, भाषण और प्रश्नोत्तरी जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताओं के बारे में जानकारी भी दी जायेगी। जिले के प्रमुख अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीण, मनरेगा जॉब कार्डधारी नागरिकों और छात्रों को संविधान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग
बिलासपुर, जिला - बिलासपुर (छ.ग.)
eprocurementportal:https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम-आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 161604/निविदा सूचना क्र. 16/व.ले.लि./2024-25 दिनांक 22.11.2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक **13.12.2024,** 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है-

कार्य का नाम – खारंग जलाशय दांयी तट नहर के आर.डी. 1300 मी. से 1350 मी. के बीच नहर लायनिंग की मरम्मत और रिटेनिंग वॉल का निर्माण, आर.डी 10560 मी. से 10575 मी. के बीच नहर लायनिंग की मरम्मत, आर.डी. 8890 से 8905 मी. के बीच नहर लायनिंग की मरम्मत, पाँसरा वितरक नहर के बैमा माईनर के आर.डी. 720 मी. पर पाईप व्ही.आर. बी. का निर्माण, पौंसरा वितरक के बैमा माईनर के आर.डी. 1080 मी. पर पाईप व्ही. आर. डी. का निर्माण, पौंसरा वितरक के आर.डी. 1290 मी. पर स्लैब व्ही. आर. बी. का निर्माण, बिलासपुर कार्यालय भवन वाटर प्रूफिंग तथा अन्य मरम्मत कार्य, खारंग जलाशय परियोजना के बांयी तट नहर के आर.डी. 19000 मी. का मरम्मत कार्य, खारंग जलाशय परियोजना के बांयी तट नहर के आर.डी. 17600 मी. से 17630 मी. पर मुख्य नहर की मरम्मत, सीपत माईनर के आर.डी. 500 मी. पर प्रोटेक्शन वाल का निर्माण, मोहतरा वितरक नहर के आर.डी. 4560 मी. पर हयूम पाईप व्ही.आर.बी. का निर्माण, खजुरी माईनर के आर.डी. 1740 मी. पर हयूम पाईप का निर्माण, खारंग जलाशय बांयी तट नहर के आर.डी. 38280 मी. पर नहर की सी.सी. लाईनिंग और डायरेक्ट आउलेट की मरम्मत, कर्रा वितरक नहर के आर.डी. 1376 मी. पर स्लैब व्ही.आर.बी. का निर्माण, खारंग जलाशय के एल.बी.सी. नहर के आर.डी. 21030 मी. पर फुट ब्रिज की मरम्मत, पोंडी शाखा नहर के आर.डी. 6060 मी. डी. सी. की नहर मरम्मत, पोंडी उपशाखा नहर के आर.डी. 6120 मी पर व्ही.आर.बी. का निर्माण, खारंग जलाशय एल.बी.सी. के आर.डी. 33015 मी. पर व्ही.आर.बी. के स्लैब का निर्माण, खारंग जलाशय परियोजना के हिंदाडीह माईनर के आर.डी. 6750 मी. पर माईनर हेड की मरम्मत कार्य।

अनुमानित लागत – रू. 142.99 लाख
(निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 22.08.2022 के आधार पर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई - प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **29.11.2024** समय **17:31** बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट :- 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदाकार को इस निविदा में वर्ष 2024 में जारी किए गए Pre Bid Qulification certificate (Valid up to 30.09.2025) का उपयोग अनिवार्य है।

जी-242504032/9

कार्यपालन अभियंता
खारंग जल संसाधन संभाग
बिलासपुर (छ.ग.)

समाचार संक्षेप

महिला से दुष्कर्म आरोपी हिरासत में

रायपुर। देवपुरी में महिला से दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार देवपुरी निवासी 26 वर्षीय प्रार्थिया ने टिकरापारा थाना में शिकायत किया कि आरोपी अभिषेक दुबे 34 वर्ष ने प्रार्थिया को घर में अकेली पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। प्रार्थिया की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर हिरासत में लिया है।

कुटरचित कर कार को किया अपने नाम, ठगी का मामला दर्ज

रायपुर। जमानत कराने के नाम पर कार को अपने नाम पंजीकृत कर धोखाधड़ी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अनिल वर्मा 40 वर्ष न्यू राजेन्द्र नगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि जमानत कराने के नाम पर आरोपी मोहम्मद सुल्तान अहमद व मोहम्मद परवेज ने प्रार्थी के कार क्रमांक सीजी 04 एमजी 7755 के दस्तावेजों में हस्ताक्षर करवाकर अपने नाम करा लिया। जब प्रार्थी को इस बात की जानकारी मिली तो उसने इसकी शिकायत खमतराई थाना में की। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

खड़ी मोपेड पार

रायपुर। कर्माधाम साहू समाज भवन संतोषीनगर में खड़ी मोपेड को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अजय साहू 54 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी प्लेजर क्रमांक सीजी 04 डीवी 5614 को संतोषी नगर स्थित कर्माधाम साहू समाज के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया।

रक्तदान शिविर संपन्न

रायपुर। आज रविवार 24 नवंबर को हजरत मोहम्मद पैगंबर की लाडली बेटी हजरत फातिमा जहरा की याद में मिशन ए अहलेबैत चरोदा एवम एचडीएफसी बैंक के संयुक्त की जानिब से जयदीप बल्ड बैंक मोवा रायपुर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

442 क्विंटल अवैध धान जब्त

रायपुर

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिले में अवैध धान की बिक्री एवं भंडारण पर कार्रवाई निरंतर जारी है। जिले में 19 प्रकरणों दर्ज किया गया है। जिसके तहत 442.60 क्विंटल अवैध धान की जब्ती की गई है। अवैध धान बिक्री एवं भंडारण के मामले में रायपुर जिले में सारागांव खरीदी केंद्र में वीरनारायण देवांगन, गणेश राम साहू, सौरभ ट्रेडर्स, नवापारा में अमित सोनी, पारागांव में संजय यादव, कुर्रा में हरिराम साहू, सांई ट्रेडर्स, श्री माता राजिम ट्रेडर्स, सेम्हरा में सेवक राम साहू, तर्री में तुलाराम किराना स्टोर्स, आरंग में भरत साहू, भोथली में बंधु जनरल स्टोर्स, गुल्लू में दिनेश ट्रेडर्स, तुलसी में सोनू अग्रवाल, तरपोंगी में उमेंद्र वर्मा, मोहंदा में राम कल्याण पटेल, सरारीडीह में रामनांद देवांगन, पलौद में रूपेंद्र साहू, सातपारा में जितेंद्र यादव पर प्रकरण दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि मंडी द्वारा ऐसे फुटकर व्यापारी जिनके द्वारा निर्धारित क्रय सीमा से अधिक मात्रा में धान क्रय कर भंडारित किया गया है, उन पर भी कार्रवाई की गई है। साथ ही अवैध बिक्री उपार्जन में समर्थन मूल्य एवं बोनस सहित 3100 रूपए प्रति क्विंटल का लाभ प्राप्त करने वालों के खिलाफ कृषि उपज मंडी अधिनियम के उल्लंघन पर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। इसके अलावा व्यापारियों द्वारा बिना अनुज्ञा पत्र बिना मंडी शुल्क कृषक कल्याण शुल्क जमा किये, परिवहन करते या विक्रय करते पाए जाने वालों पर भी कार्रवाई की गई है। वहीं क्रेता व्यापारियों एवं व्यक्तियों द्वारा निर्धारित विक्रय स्थल के स्थान पर अन्यत्र विक्रय किया जाता है, उन पर भी कार्रवाईयां की जा रही है।

हम बिजली ही नहीं देश के लिए खिलाड़ी भी पैदा करते है : डॉ. रोहित यादव

रायपुर। 46वीं अखिल भारतीय विद्युत लॉन टेनिस स्पर्धा के समापन समारोह में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने कहा कि यह बहुत ही सुखद है कि राज्य विद्युत कंपनियों, मण्डलों, निगमों में खेल-कूद की गतिविधियों पर ध्यान दिया जाता है। जिसके कारण यहां की प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर योगदान कर रही है तथा भारतीय टीम में भी जगह बनाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि यह गौरव का विषय है कि हम देश के लिए सिर्फ बिजली ही नहीं पैदा करते बल्कि खिलाड़ी भी पैदा करते है और सिर्फ बिजली आपूर्ति ही नहीं करते बल्कि देश के लिए खिलाड़ियों की आपूर्ति भी करते हैं।

स्पर्धा के समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. रोहित यादव ने कहा कि हमारे जीवन में खेल का बहुत अधिक महत्व है। नौकरी में आने के बाद सामान्यत: खेलना छूट जाता है लेकिन आप सभी खिलाड़ियों ने अपने बचपन के सपने को अभी भी जीवंत रखा है यह सराहनीय है। खेल से जहां एक तरफशरीर स्वस्थ रहता है वहीं दूसरी ओर यह काम-काज के तनाव को भी दूर करता है। खेल का यह अनुभव किसी किताब या किसी स्कूल में नहीं मिलेगा। यह पॉवर कंपनी के कर्मियों में एकता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

कलेक्टर पहुंचे माना स्थित पीएल होम वृद्ध महिलाओं से की मुलाकात

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सोमवार को माना स्थित पुर्नर्वास विभाग द्वारा संचालित पीएल होम पहुंचे। उल्लेखनीय है कि यहां पर शरणार्थी निराश्रित वृद्ध महिलाएं निवासरत हैं। डॉ सिंह ने वृद्ध महिलाओं के बीच स्वयं गए और उनसे मुलाकात की। कलेक्टर ने कहा कि यहां निवासरत बुजुर्ग माताओं के तकलीफों का समाधान किया जाएगा। उन्होंने हर महीने निर्धारित समय पर राशन और कैसडोल देने के निर्देश दिए। उन्होनें कहा कि यहीं नहीं हर महीने इनके ईलाज के लिए चिकित्सक की सुविधा उपलब्ध होगी, जो इनका ईलाज समय में कर सके और दवाईयॉ भी उपलब्ध कराएं। डॉ सिंह ने मोबाईल मेडिकल यूनिट का समय समय पर वृद्धजनों के आवास में भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने वृद्ध महिलाओं को शॉल भी वितरित किया। डॉ सिंह ने इन उक्त वृद्ध महिलाओं के आवास का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आवास के आस पास नए भवन बनाएं जाऐगे जिसमें मंदिर, गार्डन सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने लोक निर्णाण विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में जल्द कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

धान के अवैध भंडारण-परिवहन पर रखें नजरः कलेक्टर

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रोरेट परिसर के रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। उन्होने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि सभी केन्द्रो में धान की खरीदी नियमानुसार व्यवस्थित तरीके से हो। अवैध धान भंडारण अवैध धान परिवहन करने वाले पर नजर रखें और कड़ी कार्रवाई करें। जिला स्तरीय अधिकारी सहित राजस्व अधिकारी धान केन्दो का दौरा करें और रिपोर्ट प्रदान करें। यह भी ध्यान रखे कि केन्द्रों पर किसानों को कोई असुविधा ना हो। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि अब तक 5 लाख 48 हजार 164 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। कलेक्टर ने कहा कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी राइस मिलर्स से नागरिक आपूर्ति निगम एवं एफसीआई में चावल जमा करवाएं। कलेक्टर ने कहा कि जिले में पात्र बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाए जाए इससे जुड़े लंबित सारे प्रकरण का जल्द निपटारा करें। जिला शिक्षा अधिकारी विकासखंड स्तर पर अधिकारी समन्वय कर इसे गति प्रदान करें। बीईओ अपने अपने स्कूलों में शिविर लगाकर तेजी से जाति प्रमाण पत्र बनाए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में होने वाले खनिज के अवैध उत्खनन पर कड़ाई से रोक लगाएं। खनिज विभाग सहित राजस्व अधिकारी इस पर नजर रखें और कड़ी कार्रवाई करें।

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

- TDS रिफंड
- GST रजिस्ट्रेशन
- इनकम TAX फाइल
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट
- MSME रजिस्ट्रेशन
- GST रिटर्न फाइल
- CMA DATE
- फूड लाइसेंस
- BALANCE SHEET

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

संपर्क- शेखर गुप्ता मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

कांग्रेस का संविधान रक्षक अभियान 26 से

रायपुर। कांग्रेस पार्टी संविधान की रक्षा के लिये आगामी 26 नवंबर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक 60 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमेशा हमारे संविधान में निहित मूल्यों की रक्षा के लिए खड़ी रही है। पिछले दशक में भाजपा नेतृत्व वाली सरकार द्वारा संविधान की नींव को कमजोर करने और सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कमजोर करने के व्यवस्थित प्रयास किया है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि इस 60 दिवसीय ''संविधान रक्षक अभियान'' में पांच प्रमुख विषयों को आमजनता के समक्ष उजागर किया जाना है प्रत्येक विषय के लिये 10 दिवसीय अवधि तथा 5 विषय निर्धारित किये गये है-

संविधान और समानता की लड़ाई- भारत में असमानता और इसे संबोधित करने में भाजपा की केंद्र सरकार की विफलता को उजागर किया जाये। एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों, गैर-अधिसूचित जनजातियों, महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ, हाशिए पर रहने वाले समुदायों की स्थिति खराब करने वाली नीतियों को उजागर किया जायेगा।

संविधान द्वारा प्रदत्त आरक्षण की सुरक्षा- जाति जनगणना की वकालत। आरक्षण व्यवस्था पर भाजपा के हमलों और उनकी भेदभावपूर्ण विचारधारा को उजागर किया जायेगा।

भेदभाव का उन्मूलन एक प्रमुख संवैधानिक मूल्य- अल्पसंख्यकों, एससी, एसटी और ओबीसी को निशाना बनाने वाली भाजपा की विभाजनकारी राजनीति का उजागर करेंगे। भाजपा के व्यवस्थित भेदभाव को प्रदर्शित करने वाले डेटा सार्वजनिक और व्याख्यान आयोजित होगा।

पूंजीवादी सरकार गरीबों के संविधान के विरूद्ध- आम लोगों की कीमत पर कुछ पूंजीपतियों के प्रति भाजपा की पक्षपात को उजागर करेंगे। भाजपा के शासन में बढ़ी आर्थिक असमानता पर प्रकाश डाला जायेगा।

लोकतंत्र और संविधान द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता को बचाएं- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, एजेंसियों के दुरुपयोग और लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षरण पर भाजपा के हमलों को संबोधित करें। भाजपा को अधिनायकवादी राज्य बनने से बचाने की आवश्यकता पर जोर देंगें।

अरुण साव ने वृद्धाश्रम से जन्मदिन की शुरुआत की

रायपुर.

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज अपने जन्मदिन पर परिवार सहित बिलासपुर के कल्याण कुंज वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। श्री साव ने बुजुर्गों से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना और उनके साथ समय बिताया। उन्होंने बुजुर्गों को कंबल, फल और मिठाई दिया। बुजुर्गों ने केक काटकर उप मुख्यमंत्री श्री साव का जन्मदिन मनाया और उनकी अच्छी सेहत व दीर्घायु जीवन के लिए आशीष दिया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज रतनपुर पहुंचकर मां महामाया की पूजा-अर्चना की और राज्य की तरक्की, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में सफाई मित्रों का पैर पखारकर उनका सम्मान किया। श्री साव की जन्मदिन की खुशी में लोगों ने वहां उन्हें लड्डुओं से तौला और सभी का मुंह मीठा कराया। उप मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रगति की ओर तेजी से अग्रसर है। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों को उनके पूर्ण आवासों की चाबी सौंपी। उन्होंने रतनपुर में करीब दो करोड़ रुपए के विकास कार्यों के साथ ही हितग्राहियों को सामग्री वितरण किया। इनमें 30 लाख रुपए के छह ई-रिक्शा भी शामिल हैं। श्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व की नगरी रतनपुर के पुराने वैभव को वापस लाने के लिए हम वचनबद्ध हैं। पिछले दस महीनों में यहां लगभग छह करोड़ रुपए के विकास कार्य किए गए हैं। आगे भी पूरी सक्रियता से यहां काम होंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने उन्हें गुलदस्ता भेंटकर जन्मदिन की बधाई दी। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बिलासपुर जिले के कोटा नगर पंचायत में छह करोड़ 73 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोटा तेज गति से आगे बढ़े, इसके लिए हम लोग गंभीरता से काम कर रहे हैं। यहां की साफ-सफाई की व्यवस्था को और भी दुरुस्त करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई का काम अकेले नगर पंचायत का नहीं है। हम सभी को इसमें भागीदारी निभानी होगी। श्री साव ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को ऋण के चेक वितरित किए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत हितग्राहियों को आवासों के स्वीकृति पत्र और पूर्ण हो चुके आवासों की चाबी भी सौंपी।

डबल इंजन की सरकार में तेज रफ्तार से चल रही है छत्तीसगढ़ में विकास की रेल : विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ में अब तेज रफ्तार से विकास की रेल चल रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कल रायपुर से बिलासपुर तक की अपनी ट्रेन यात्रा के दौरान छत्तीसगढ़ के तेजी से विकास के संकल्प को पुन: दोहराया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछले 10 सालों में रेलवे के क्षेत्र में जो सकारात्मक बदलाव हुए, इसने न केवल यात्री सुविधाएं बढ़ी हैं, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है। उन्होंने कहा रेलवे के आधुनिकीकरण से रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। रेलवे नेटवर्क के विस्तार से ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों को बड़े शहरों से जोड़ा जा रहा है, जिससे व्यापार और पर्यटन को प्रोत्साहन मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे भारत, तेजस और गतिमान जैसी हाई-स्पीड ट्रेनों ने यात्रा समय को काफी घटा दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि आधुनिक ट्रेनों में वातानुकूलित डिब्बे, आरामदायक सीटें, वाई-फाई, ऑनबोर्ड कैटरिंग सुविधा मिल रही है। स्टेशन अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं, जिसने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाया है। उन्होंने कहा कि ई-टिकटिंग और डिजिटल भुगतान ने बुकिंग प्रक्रिया को सरल और तेज बना दिया है। सौर ऊर्जा और बायो-टॉयलेट जैसी पहल पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद कर रही हैं। भारतीय रेलवे अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और ऑटोमेशन जैसे आधुनिक तकनीकी उपायों के उपयोग की ओर आगे बढ़ रहा है, ताकि दक्षता और सेवा की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

इस चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार की मंशा है कि प्रदेश की आर्थिक तरक्की के लिए रेल परिवहन के समुचित उपयोग की ओर तेजी से आगे बढ़ा जाए। इसी क्रम में केंद्र सरकार के सहयोग से कई रेल परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है और कई ऐसी परियोजनाएं हैं, जिनको विस्तार दिए जाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा है कि डोंगरगढ़-कवर्धा-कटघोरा रेल लाइन परियोजना के लिए रेल मंत्रालय से मंजूरी मिल चुकी है। यह परियोजना लगभग 295 किलोमीटर लंबी होगी और इसकी अनुमानित लागत 4021 करोड़ रुपये है। इस रेल लाइन का निर्माण छत्तीसगढ़ रेलवे कॉरपोरेशन द्वारा किया जाएगा। वर्तमान में भूमि अधिग्रहण और प्रारंभिक निर्माण कार्यों के लिए 300 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस रेल लाइन में डोंगरगढ़ से कवर्धा के बीच 12 और कवर्धा से कटघोरा के बीच 15 स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। यह परियोजना न केवल क्षेत्र में यात्री सुविधा बढ़ाएगी बल्कि खनिजों के परिवहन और रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि हाल ही में भारत सरकार और रेल मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में कई नई रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका उद्देश्य राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और कनेक्टिविटी बढ़ाना है। कोरबा-अंबिकापुर नई रेल लाइन 180 किलोमीटर लंबी परियोजना है, जिसके सर्वेक्षण और डीपीआर के लिए 16.75 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह परियोजना सरगुजा क्षेत्र में विकास को गति देगी। उसी प्रकार गढ़चिरौली-बीजापुर-बचेली तक 490 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के सर्वेक्षण के लिए 12.25 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं। यह परियोजना सुदूर क्षेत्रों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों से जोड़ने में मदद करेगी। सरडेगा-भालुमुडा डबल लाइन 37 किलोमीटर लंबी परियोजना ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी। इस परियोजना के लिए 1360 करोड़ रुपये का प्रावधान है।छत्तीसगढ़ में अम्बिकापुर-बरवाडीह, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा, रावघाट-जगदलपुर और धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा रेल परियोजनाओं का डीपीआर तैयार हो रहा है। धरमजयगढ़-लोहरदगा परियोजना के लिए रेलवे द्वारा किए जा रहे सर्वेक्षण का काम अंतिम चरण में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएं न केवल यात्री कनेक्टिविटी को बढ़ाएंगी, बल्कि औद्योगिक और खनिज संसाधनों के परिवहन को भी सुगम बनाएंगी। इनके अलावा, राज्य में कई अन्य छोटी रेल लाइन और मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं भी योजना में हैं, जो क्षेत्रीय विकास और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में जहां-जहां रेल परिवहन की आवश्यकता महसूस की जाएगी, उस दिशा में तेजी से पहल की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस यात्रा से मुझे बहुत कुछ जानने समझने का सुंदर अवसर मिला था। हम यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने और उनके समस्याओं के समाधान की दिशा में केंद्र सरकार के सहयोग से आवश्यक कदम उठाएंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-**ब्रजेश शुक्ला** द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com